लखनऊ

शनिवार, 18 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 320

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

अवसर की प्रतीक्षा में मत बैठो। आज का अवसर ही सर्वोत्तम है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, पांच राज्यों में छापे; नकदी और सोना बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को भारत में बसाने से जुड़े कथित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की। एजेंसी का दावा है कि यह नेटवर्क विदेशों से प्राप्त धन का इस्तेमाल कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, अवैध घुसपैठियों को देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने और उनकी आजीविका की व्यवस्था करने में कर रहा था। जांच एजेंसी को इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से जुड़े होने का भी संदेह है, जिसकी जांच जारी है। ईडी के अनुसार, छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के कलिकापुर स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद किए गए। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और मुर्शिदाबाद तथा महाराष्ट्र के रायगढ़ सहित 13 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई। जांच के दौरान ईडी ने कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी ऐसे कथित गिरोह की जांच कर रही है, जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत कुछ ट्रस्टों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से काम कर रहा था। ईडी कुछ ट्रस्टों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। एजेंसी को संदेह है कि कुछ संस्थाओं के जरिए छोटी-छोटी किस्तों में बड़ी रकम का लेन-देन किया गया। कई बैंक खातों और कथित रेंट अकाउंट के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है।

डोडा में सर्विस राइफल छीनने की कोशिश में गोलीबारी, एक की मौत और तीन जवान हुए घायल

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कथित कोशिश के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन एसओजी जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उसका इस मामले से क्या संबंध है, इसकी जांच की जा रही है और अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात एसओजी की एक टीम को ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम भद्रवाह शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर जाई-गंडोह मार्ग पर घात लगाकर निगरानी कर रही थी। रात करीब 11:30 बजे एसओजी जवानों ने एक युवक को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का आरोप है कि युवक ने जवानों पर हमला कर उनकी सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की। धक्का-मुक्की के दौरान एक जवान की गोली चल गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पीएम मोदी ने लॉन्च की देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, जींद-सोनीपत के बीच दौड़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जींद-सोनीपत के बीच हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैं आज जींद वालों से कुछ मांगने आया हूं। क्या इस सफाई और स्वच्छता के लिए मोदी का आना जरूरी है? अगर जींद और हरियाणा के लोग तय कर लें कि अब हम गंदगी नहीं करेंगे। तो जींद और हरियाणा कभी गंदा हो ही नहीं पाएगा। स्वच्छता को हमारा स्वभाव बनाएंगे। स्वच्छता को हमारा संस्कार बनाएंगे। हम स्वच्छता को इसी तरह अपनी हर दिन की जिंदगी का हिस्सा बनाएंगे। करीब 82 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन की क्षमता 1200 किलोवाट है। यह एक बार में लगभग 2600 यात्रियों को ले जाने में सक्षम है। ट्रेन को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि इसमें यात्रियों को आरामदायक सफर के साथ आधुनिक सुविधाएं भी मिलेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि फिलहाल यह ट्रेन करीब 90 किलोमीटर के रूट पर चलेगी, लेकिन भविष्य में इसके विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। हम लगातार शोध करते रहेंगे, ताकि इसकी लागत कम हो और इसकी दक्षता बढ़ाई जा सके। दुनिया में अभी केवल तीन-चार देशों के पास ही हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने की क्षमता है और वहां भी यह तकनीक अभी शुरुआती दौर में है। ऐसे में भारत की हाइड्रोजन तकनीक और क्षमता पूरे देश के लिए गर्व की बात है। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन है। इसकी क्षमता 3200 हॉर्सपावर है। इसके साथ ही यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में से एक है। इस हाइड्रोजन ट्रेन को भारत के ही इंजीनियर्स ने डिजाइन किया है, भारत की ही कंपनी ने इसे बनाया है। अब जींद में और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा व कंपनियां आएंगी।

पीएम मोदी ने हाइड्रोजन ट्रेन का बताया सामर्थ्य

पीएम मोदी ने कहा, भारत की इस हाइड्रोजन ट्रेन के सामर्थ्य के बारे में सुनकर आपको और एक-एक हिंदुस्तानी को गर्व होगा। जींद से चलने वाली हाइड्रोज ट्रेन दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोज ट्रेन है। ये ट्रेन 3200 हॉर्स पॉवर की है और सबसे ताकतवर ही नहीं, बल्कि भारत की हाइड्रोज ट्रेन सबसे लंबी भी है।

21वीं सदी के रेलवे की पहचान हाइड्रोजन रेल: पीएम

पीएम मोदी ने कहा, अगर हम रेलवे के इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि 19वीं सदी के रेलवे की पहचान स्टीम इंजन से थी। 20वीं सदी की पहचान डीजल और बिजली से चलने वाली रेल बनी और अब 21वीं सदी की रेल हाइड्रोजन से चलने वाली है। साथ ही कहा, दुनिया में हाइड्रोजन ट्रेन अभी-अभी अस्तित्व में आई है। अभी दुनिया के तीन या चार देश ही हैं, जिनके पास हाइड्रोजन ट्रेन चलाने का सामर्थ्य है।

जींद का घी और घेवर तो नहीं बदला, लेकिन जींद के तेवर बदल गए: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, इतने वर्षों में जींद के घी और जींद के घेवर तो नहीं बदला, लेकिन जींद के तेवर बदल गए हैं। आज जींद भाजपा-NDA के सुशासन मॉडल की तस्वीर बन रहा है। पीएम मोदी ने कहा, बीते वर्षों में पूरा हरियाणा ही विकास की नई पटरी पर चल पड़ा है। आज का ये कार्यक्रम डबल इंजन की भाजपा सरकार के इसी मिशन को नई ऊर्जा से भर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, आज जींद और हरियाणा का नाम इतिहास पन्नों में दर्ज हो हो गया है। आज यहां देश को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिली है। पिछले कुछ वर्षों में, पूरा हरियाणा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत में पहली ट्रेन बॉम्बे से ठाणे के बीच चली थी। वैसे ही भविष्य में जब भी हाइड्रोजन ट्रेन का जिक्र आएगा, तो जींद के, सोनीपत का और हरियाणा का नाम आएगा ही आएगा।

हरियाणा को मिली 14 हजार करोड़ से अधिक की सौगात: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, आज 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अन्य प्रोजेक्ट्स भी हरियाणा को मिले हैं। इसमें रेलवे के, हाईवे के अनेक नए प्रोजेक्ट हैं, हमारी विरासत से जुड़े प्रोजेक्ट्स है और 2 मेडिकल कॉलेज भी हरियाणा की सेवा के लिए समर्पित हैं।

अब 2014 जैसी स्थिति नहीं: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने बोले, 2014 में देश का बहुत बड़ा हिस्सा ऐसा था, जहां हमारी ट्रेनें डीजल से चलती थी। अब आप सोचिए, अगर डीजल आना बंद हो गया होता तो, डीजल से चलने वाली ट्रेन कैसे चलती, देश संकट में आ जाता। लेकिन ये 2014 की स्थिति नहीं है। ये मोदी है, बहुत पहले सोचता भी है और समस्या के समाधान के रास्ते भी जमीन और उतारता है।

जींद का दूध-दही, बूरा और घेवर आज भी याद है- पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि शक्तिपीठ माता जयंती का नाम और आशीर्वाद इस शहर पर बना रहता है। मेरे लिए तो जींद आना पुरानी यादों का झरोखा खोलने जैसा है। मैं बैठे-बैठे कई पुराने व परिचित चेहरे देख रहा था। कई दशक पहले मैं संगठन के काम से पहली जींद आया था। फिर आप लोगों ने मुझे जो अपनत्व व प्रेम दिया, वो आज तक मैं भूला नहीं हूं। मुर्रा भैंस का दूध-दही और घी। जींद का देसी बूरा और यहां का घेवर...ये वो यादें हैं जो जींद से जुड़ ही जाती हैं।

हरियाणा के खिलाड़ियों को बहुत लाभ होगा: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, आप सभी जानते हैं कि अभी मैं कुछ दिन पहले ही इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा से लौटा हूं। वहां भारत ने अनेक समझौते किए हैं, जिनकी बहुत चर्चा हुई है। लेकिन एक विषय ऐसा है, जिसपर उतनी बात नहीं हुई है। ये विषय मेरे देश के और विशेषकर हरियाणा के युवाओं से जुड़ा हुआ है। वो विषय खेलकूद है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में वहां की सरकारों से स्पोर्ट्स को लेकर मेरी व्यापक चर्चा हुई। इन दोनों देशों के साथ मिलकर हम स्पोर्ट्स इंडस्ट्री, खिलाड़ियों की ट्रेनिंग आदि मामले में हम बहुत सारे काम करने वाले हैं, इससे देश के और हरियाणा के खिलाड़ियों को बहुत लाभ होगा।

बीते 12 वर्षों में रेल नेटवर्क का 99 फीसदी बिजलीकरण हुआ: पीएम मोदी

पीएम मोदी बोले, भारतीय रेलवे के बिजलीकरण की शुरुआत 1925 में हुई थी, यानी करीब 100 साल पहले। 1925 से लेकर 2014 तक करीब 90 साल में पूरे देश के रेल नेटवर्क का करीब 30% ही बिजलीकरण हो पाया था। 70% क्षेत्र डीजल से चलता था। लेकिन बीते 12 वर्षों में भारत के करीब 99% रेल नेटवर्क का बिजलीकरण हो चुका है। हरियाणा में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत बिजलीकरण हो गया है। इस वजह से लड़ाई होने के बावजूद भी, तेल का संकट होने के बाद भी, भारत की रेल रुकी नहीं है, भारत की विकास की गाड़ी अटकी नहीं है।

अभी इस मंच से भी तीन बड़े प्रोजेक्ट शुरू हुए: पीएम मोदी

पीएम मोदी बोले, रेल हो, रोड हो... कनेक्टिविटी का ऐसा काम, सुविधा भी देता है और विकास की गति भी कई गुना बढ़ा देता है। आज जींद इतने सारे हाइवे से जुड़ रहा है। अभी इस मंच से भी 3 बड़े प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं। दिल्ली-अमृतसर-कटना एक्सप्रेस वे के हरियाणा वाले हिस्से का लोकार्पण हुआ है, जींद-गोहाना नेशनल हाईवे भी राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इसके अलावा अंबाला-काला अंब फोरलेन से भी हरियाणा और हिमाचल के लोगों को बहुत सुविधा होगी।

अनुशासन सबसे बड़ी पूंजी, कांवड़ यात्रा के दौरान हुड़दंगी से बचने की सीएम योगी की अपील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग आज आस्था की वकालत करते रहे हैं, ये लोग 2017 के पहले जय श्रीराम बोलने पर लाठियां मारते थे, गोली चलाते थे, कावंड़ यात्रा को प्रतिबंधित किया करते थे। कांवड़ यात्रा के दौरान हुड़दंगी से बचने की अपील करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अनुशासन हमारी सबसे बड़ी पूंजी होनी चाहिए, छोटी-छोटी बातों को लेकर कहीं पर भी हुड़दंगी नहीं होनी चाहिए।

शामली में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "अब जब कांवड़ यात्रा शुरू होने वाली है, मैं सभी कांवड़ संघों से विनम्र अपील करूंगा । जीवन में धैर्य और अनुशासन हमारी सबसे बड़ी पूंजी होनी चाहिए, छोटी-छोटी बातों को लेकर कहीं हुड़दंगी नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं कोई हुड़दंगी, या अनुशासनहीनता होगी तो इस प्रकार के दृश्य को विरोधी नोट करके रखेंगे, और फिर कांवड़ यात्रा को पहले की तरह येन-केन-प्रकारेण अन्य जगहों से दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।" उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई गलत व्यक्ति बीच आकर उपद्रव करने की कोशिश करता है तो उसे पहले ही बाहर कर दीजिए। उन्होंने आगे कहा, "कांवड़ यात्रा के लिए सरकार उनकी सुरक्षा, सुविधा और उनकी भक्ति को साकार करने को लेकर हर तरह का सहयोग कर रही है। यही डबल इंजन की सरकार है जो आस्था का सम्मान कर रही है, पुष्प वर्षा करती है, लेकिन हम लोगों को अपनी मर्यादा को समझना होगा।" विपक्ष का नाम लिए बगैर मुख्यमंत्री ने कहा, "आज जो लोग आस्था की वकालत करते दिख रहे हैं, ये वही लोग हैं जो 2017 के पहले जय श्रीराम बोलने पर लाठियां मारते थे, गोली चलाते थे, कावंड़ यात्रा को प्रतिबंधित किया करते थे, कृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन को रोकते थे, रामनवमी की शोभायात्रा नहीं निकलने देते थे, धार्मिक स्थलों की संपत्ति पर कब्जा करते थे।"

कहीं भी हुड़दंगई नहीं हो : सीएम योगी

उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा को कोई रोकता नहीं है। प्रशासन उनकी सेवा के लिए है। मैं कभी कांवड़ संघों सें यह अपील करूंगा कि याद रखना हम सब श्रीराम के वंशज हैं, भोलेशंकर के भक्त हैं। छोटी-छोटी बातों को लेकर कहीं भी हुड़दंगई नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, "कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग डेमोग्राफी बदल रहे थे। ये लोग जिन्ना के उपासक हैं इसलिए पलायन हो रहा था। ये लोग जिन्ना के अनुयायी हैं।

70 करोड़ रुपये के ड्रग्स नेटवर्क पर ईडी ने कसा शिकंजा, इंदौर समेत कई शहरों में छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इंदौर सब-जोनल ऑफिस ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत 70 करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में कई राज्यों में फैले ड्रग नेटवर्क पर कार्रवाई की है। मध्य प्रदेश के इंदौर और मंदसौर में कई जगहों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया गया। हैदराबाद और बीकानेर में भी छापेमारी की गई। ईडी द्वारा 70 किलोग्राम एमडीएमए (मेफेड्रोन) ड्रग्स की कथित तस्करी से जुड़ी जांच को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। ईडी ने इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। यह एफआईआर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 की धारा 8 और 22 के तहत अपराधों के लिए कई आरोपियों के खिलाफ दर्ज की गई थी। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपियों में से एक अपने ज्ञात पतों पर नहीं मिल रहा था। ईडी ने खुफिया जानकारी के आधार पर बड़े पैमाने पर कोशिशें कीं और एडवांस्ड एनालिटिकल और जांच तकनीकों का इस्तेमाल करके कई दिनों तक हैदराबाद, बीकानेर और इंदौर में उसकी गतिविधियों का पता लगाया। जांच एजेंसी की लगातार निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के बाद, आरोपी को इंदौर में एक ऐसे पते पर सफलतापूर्वक ढूंढ लिया गया, जिसके बारे में पहले जानकारी नहीं थी। इसके बाद तलाशी की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। तलाशी के दौरान अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिले हैं। साथ ही आरोपियों की संपत्ति और आर्थिक मामलों से जुड़ी जानकारी भी मिली है। फोरेंसिक जांच के लिए कई दस्तावेज़ और डिजिटल डिवाइस ज़ब्त किए गए हैं। ईडी द्वारा इन दस्तावेजों की विस्तृत आर्थिक जांच कराई जाएगी, ताकि अपराध से हुई कमाई का पता लगाया जा सके।

वोटर लिस्ट से नाम हटने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं, बंगाल में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि वोटर लिस्ट से किसी व्यक्ति का नाम हटने का मतलब यह नहीं है कि उसकी भारतीय नागरिकता खत्म हो गई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकता तय करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। मामले की अगली सुनवाई अब 25 अगस्त को होगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी। मोहना की पीठ ने कहा कि वोटर लिस्ट से नाम हटने का अर्थ नागरिकता समाप्त होना नहीं है।

अदालत ने कहा कि इस मुद्दे पर उसके पहले के फैसले पूरी तरह स्पष्ट हैं। कोर्ट ने यह भी दोहराया कि किसी व्यक्ति की नागरिकता का निर्धारण करना भारत निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इसलिए मतदाता सूची में नाम होने या हटने को नागरिकता से सीधे जोड़कर नहीं देखा जा सकता।

अपीलीय ट्रिब्यूनलों में बड़ी संख्या में मामले लंबित

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता प्रसेनजित बोस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों के सामने बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इन ट्रिब्यूनलों के समक्ष करीब 34 लाख अपीलें लंबित हैं, लेकिन अब तक केवल 38 हजार मामलों का ही निपटारा हो पाया है। इससे साफ है कि अपीलों के निपटारे की रफ्तार काफी धीमी है। वरिष्ठ वकील ने यह भी बताया कि जिन मामलों का निपटारा हुआ, उनमें लगभग 70 फीसदी अपीलें स्वीकार कर ली गईं। जबकि करीब 30 फीसदी मामलों में अपीलकर्ताओं को राहत नहीं मिली। ऐसे लोगों को अब अपने अधिकारों के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक बहस तेज है। अदालत ने साफ संकेत दिया कि मतदाता सूची और नागरिकता दो अलग-अलग कानूनी विषय हैं। किसी व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट से हटने भर से उसकी नागरिकता अपने आप खत्म नहीं हो जाती। पीठ ने फिलहाल मामले पर कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया है और विस्तृत सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तारीख तय की है।

जॉर्डन में यूएस फाइटर जेट पर मिसाइल हमला, ईरान ने शुरू किया ऑपरेशन नस्र 2

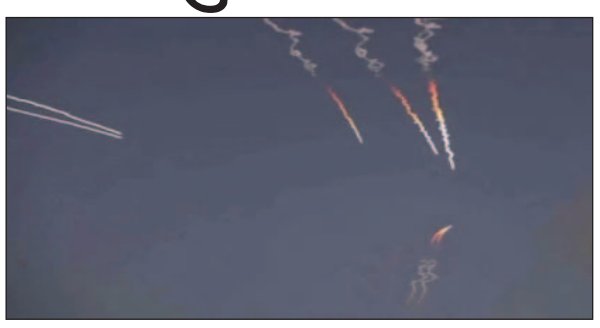

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन में तैनात अमेरिकी मिलिट्री एयरक्राफ्ट पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान का कहना है कि इन हमलों में कई अमेरिकी फाइटर जेट और हवा में ईंधन भरने वाले एयरक्राफ्ट नष्ट हो गए, जबकि अन्य को 'गंभीर नुकसान' पहुंचा। यह दावा मिडिल ईस्ट में तेज़ी से बढ़ते तनाव के बीच किया गया है, जो ईरान के अंदर कई जगहों पर अमेरिका द्वारा रात भर किए गए हमलों के बाद पैदा हुआ है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की एयरोस्पेस फोर्स के बयान के अनुसार, ये हमले 'ऑपरेशन नसर 2' के 14वें चरण के तहत दो चरणों में किए गए। IRGC ने कहा कि इन हमलों में जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी फाइटर जेट और हवा में ईंधन भरने वाले एयरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। IRGC ने दावा किया कि अमेरिका के कई टैंकर और लड़ाकू विमान नष्ट हो गए, जबकि कई अन्य को भारी नुकसान पहुँचा। IRGC ने बयान में कहा, 'इस हमले में कई बैलिस्टिक मिसाइलें और बड़ी संख्या में ड्रोन शामिल थे, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका के कई टैंकर और लड़ाकू जेट नष्ट हो गए और कई अन्य को गंभीर नुकसान पहुँचा।

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और अमेरिकी अधिकारियों की ओर से भी तुरंत कोई पुष्टि नहीं की गई है। ईरान ने इन हमलों को देश भर में कई जगहों पर रात भर हुए अमेरिकी हमलों का जवाब बताया। ईरान का कहना है कि उन हमलों में कम से कम आठ लोग मारे गए थे। यह घटनाक्रम जॉर्डन की सेना द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद हुआ कि उसने अपने इलाके के ऊपर तीन ईरानी मिसाइलों को रोककर मार गिराया है। जॉर्डन ने कहा कि इन मिसाइलों से कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। इसी बयान में IRGC ने जॉर्डन के लोगों से यह भी कहा कि वे देश में मौजूद 'आक्रामक और इस्लाम-विरोधी अमेरिकियों के हितों' को निशाना बनाएं। दिन की शुरुआत में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करते हुए पुलों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तेहरान पर रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने के लिए दबाव बनाने हेतु महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले की धमकी दी थी।

इसके जवाब में ईरान ने मध्य पूर्व में कई अमेरिकी सहयोगी देशों पर नए मिसाइल हमले किए, जिनमें कतर भी शामिल है, जिसने इस संघर्ष में महत्वपूर्ण मध्यस्थता की भूमिका निभाई है। पिछले महीने हुए अस्थायी युद्धविराम का उल्लंघन हो गया है, जिसके चलते संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच कई दिनों से झड़पें तेज हो गई हैं।

गुजरात एटीएस का बड़ा एक्शन : जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 5 और संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनकी गिरफ्तारी राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान के दौरान की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़यिासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क. राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है। एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए इन पांचों संदिग्धों के तार पिछले महीने गिरफ्तार किए गए आठ अन्य आरोपियों से जुड़े पाए गए हैं। जांच एजेंसियां इनकी भूमिका और आपसी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं। गुजरात रज्जस का कहना है कि जैश-ए-मोहम्मद लंबे समय से गुजरात में अपना नेटवर्क और कथित स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या राज्य के कुछ लोगों को संगठन से जोड़कर उसकी गतिविधियों को विस्तार देने का प्रयास किया गया।

एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पहले गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर इन पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार किया गया।

म्यूल अकाउंट से ऑनलाइन शॉपिंग तक... जामताड़ा गैंग का 'डिजिटल चक्रव्यूह', कैसे ऑपरेशन साइबर वज्र ने किया ध्वस्त?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। डिजिटल ठगी के बढ़ते नेटवर्क पर मुरादाबाद पुलिस ने बड़ी चोट करते हुए एक ऐसे साइबर सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है, जिसने देशभर में ऑनलाइन ठगी का जाल बिछा रखा था। मुरादाबाद पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने 'ऑपरेशन साइबर वज्र' के तहत झारखंड के जामताड़ा से जुड़े तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि यह गिरोह सिर्फ लोगों को ठगने तक सीमित नहीं था, बल्कि 'म्यूल अकाउंट' और ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए ऐसा डिजिटल चक्रव्यूह तैयार कर चुका था, जिसने जांच एजेंसियों के लिए भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुड्डू, रफीक और करीम के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से झारखंड के जामताड़ा के रहने वाले हैं और मुरादाबाद में किराये का कमरा लेकर देशभर में साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 7 मोबाइल फोन, 4 पेन ड्राइव, 23 सक्रिय सिम कार्ड, एयरटेल और जियो के नए सिम, 10 एटीएम कार्ड, फर्जी दस्तावेज और नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार यह नेटवर्क देश के कई राज्यों तक फैला हुआ था।

म्यूल अकाउंट बना सबसे बड़ा हथियार

जांच में सामने आया कि आरोपी सीधे अपने बैंक खातों में ठगी की रकम नहीं मंगाते थे। इसके बजाय वे गरीब और जरूरतमंद लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल 'म्यूल अकाउंट' के रूप में करते थे। इन खातों के जरिए पैसा कई स्तरों पर ट्रांसफर किया जाता था, जिससे असली अपराधियों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता था। यही वजह है कि कई मामलों में जांच एजेंसियों को ट्रांजैक्शन ट्रेल पकड़ने में लंबा समय लग जाता था।

ऑनलाइन शॉपिंग से कैश में बदलते थे ठगी के पैसे

गिरोह की कार्यशैली का सबसे चौंकाने वाला पहलू ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल था। ठगी से हासिल रकम से आरोपी महंगे मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य उत्पाद ऑनलाइन ऑर्डर करते थे। डिलीवरी मिलने के बाद इन सामानों को स्थानीय बाजारों में आधे या पौने दाम पर बेचकर नकदी हासिल कर लेते थे। इस तरीके से न केवल पैसों का स्रोत छिप जाता था, बल्कि बैंकिंग सिस्टम के जरिए जांच करना भी बेहद कठिन हो जाता था।

'प्रतिबिंब' पोर्टल से मिली बड़ी सफलता

पुलिस के मुताबिक इस पूरे नेटवर्क का खुलासा तकनीकी निगरानी और केंद्र सरकार के 'प्रतिबिंब' पोर्टल की मदद से संभव हो सका। डिजिटल गतिविधियों की निगरानी के दौरान संदिग्ध इनपुट मिलने पर थाना कटघर और साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को दबोच लिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में गिरोह का संबंध 20 से अधिक साइबर ठगी के मामलों से सामने आया है और लाखों रुपये के लेन-देन की जानकारी मिली है।

पुलिस अब इस सिंडिकेट के स्थानीय मददगारों, किराये पर कमरा उपलब्ध कराने वालों और पूरे नेटवर्क के बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंक की जांच कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि 'ऑपरेशन साइबर वज्र' ने न केवल एक बड़े साइबर नेटवर्क की कमर तोड़ी है, बल्कि डिजिटल अपराध के खिलाफ मुरादाबाद पुलिस की तकनीकी क्षमता और सतर्कता का भी मजबूत संदेश दिया है।

नीट 2026 में आकाश बना यूपी की डॉक्टर फैक्ट्री

सुल्तानपुर। आकाश इंस्टिट्यूट सुल्तानपुर के छात्रों सौम्या और आस्था ने नीट यूजी 2026 परीक्षा सुल्तानपुर सिटी टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि मेडिकल प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट शिक्षा और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के माध्यम से छात्रों के भविष्य को संवारने की दिशा में आकाश इंस्टिट्यूट की प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित करती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नीट यूजी 2026 के परिणामों में सुल्तानपुर सिटी टॉपर सौम्या और आस्था ने 720 में से 597, 594 वहीं, दीपशिखा ने 576 अंक और डंदापतंज ने 570 अंक के साथ आकाश आकाश इंस्टिट्यूट का नाम रौशन किया। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने वर्षों से नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपनी परंपरा को कायम रखा है। पिछले एक दशक में आकाश के छात्रों ने 13 बार एआईआर 1 हासिल किया है।

डीएम-एसपी ने बाबा जनवारी नाथ धाम समेत अन्य मंदिरों का किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ, सुलतानपुर। सावन माह में मंदिरों पर होने वाले जलाभिषेक और कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम इंद्रजीत सिंह और एसपी चारु निगम ने लंभुआ तहसील क्षेत्र का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने बाबा जनवारी नाथ धाम सहित क्षेत्र के अन्य प्रमुख धामों और मंदिरों का दौरा कर सुरक्षा, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पार्किंग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम लंभुआ प्रीति जैन और बीडीओ लंभुआ नीलिमा गुप्ता व लंभुआ थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। डीएम-एसपी ने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए सभी आवश्यक इंतजाम समय से पूरे करने के निर्देश दिए।

फैक्ट्री के टैंक में गिरने से मजदूर की मौत... एचआर और सुपरवाइजर पर भी हत्या का केस, क्या रची थी साजिश?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली के सीबीगंज की सुपीरियर इंडस्ट्रीज में मजदूर सत्यपाल सागर की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। पहले इसे फैक्ट्री में हुआ हादसा माना जा रहा था, लेकिन अब मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधक, एचआर मैनेजर, सुपरवाइजर और लोडर चालक के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगलवार दोपहर सुपीरियर इंडस्ट्रीज में काम करने वाले मजदूर सत्यपाल सागर की फैक्ट्री के अंदर मौत हो गई थी। फैक्ट्री प्रबंधन ने परिजनों को बताया था कि वह काम के दौरान भूसी के टैंक में गिर गए थे, जिससे उनकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग और आसपास के लोग फैक्ट्री पहुंच गए। इसके बाद परिजनों ने शव को फैक्ट्री गेट पर रखकर करीब चार घंटे तक प्रदर्शन किया और फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही के साथ-साथ सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण रहा।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस बीच फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से एक लाख रुपये मुआवजा और मृतक की पत्नी को आजीवन पेंशन देने का प्रस्ताव भी रखा गया, लेकिन परिवार ने मना कर दिया। उनका कहना था कि उन्हें मुआवजा नहीं, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहिए।

बेटे ने लगाए गंभीर आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मृतक के बेटे गौतम कुमार ने सीबीगंज थाना प्रभारी को दी गई तहरीर में कहा कि उसके पिता कई महीनों से फैक्ट्री के बॉयलर में भूसी डालने का काम कर रहे थे। घटना वाले दिन दोपहर में फैक्ट्री से फोन कर सिर्फ इतना बताया गया कि उनके पिता की मौत हो गई है। जब वह फैक्ट्री पहुंचे तो एचआर मैनेजर दिनेश मिश्रा ने बताया कि उनके पिता भूसी के टैंक में गिर गए थे।

घरवालों ने लगाए गंभीर आरोप

गौतम का आरोप है कि जब उसने घटना की सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की तो फैक्ट्री प्रबंधन ने इंकार कर दिया। इससे परिवार का शक और बढ़ गया। उनका कहना है कि यह कोई साधारण हादसा नहीं, बल्कि उनके पिता की सोची-समझी साजिश के तहत हत्या की गई है। इसी आधार पर उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर फैक्ट्री प्रबंधक, एचआर मैनेजर दिनेश मिश्रा, सुपरवाइजर और लोडर चालक के खिलाफ हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।सीसीटीवी फुटेज, फैक्ट्री के कर्मचारियों के बयान और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओदरा बाईपास पर प्रशासन की चुप्पी आखिर किसके लिए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। ओदरा बाईपास पर दर्जनों होटल और ढाबे आज भी पुराने ढर्रे पर चल रहे हैं। कई प्रतिष्ठानों पर नाम ऐसे लिखे गए हैं जो हिन्दू देवी-देवताओं से जुड़े हैं। लेकिन वास्तविक संचालक का नाम कहीं दिखाई नहीं देता। सवाल यह है कि जब सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि होटल-ढाबों पर वास्तविक मालिक का नाम, रेट लिस्ट और आवश्यक जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित होनी चाहिए तो फिर इन निर्देशों का पालन आखिर क्यों नहीं हो रहा। कांवड़ यात्रा सिर पर है। लाखों श्रद्धालु इसी मार्ग से गुजरेंगे लेकिन अधिकांश ढाबों पर न तो खाद्य सुरक्षा लाइसेंस प्रदर्शित है और न ही खाद्य गुणवत्ता से संबंधित कोई स्पष्ट जानकारी। आखिर जिम्मेदार विभाग किस बात का इंतजार कर रहा है। किसी विवाद, झड़प या अप्रिय घटना का। यदि नियम सभी के लिए समान हैं तो ओदरा बाईपास अपवाद क्यों बना हुआ है? प्रशासन की यह खामोशी कई सवाल खड़े करती है। क्या सरकारी आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित हैं या उनका पालन भी कराया जाएगा। समय रहते यदि जांच कराकर वास्तविक मालिक का नाम, वैध लाइसेंस, रेट लिस्ट और खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं कराई गई तो भविष्य में पैदा होने वाले किसी भी विवाद की जिम्मेदारी केवल नियम तोड़ने वालों की नहीं बल्कि आंखें मूंदे बैठे प्रशासन की भी होगी।

द हेवन होटल में अवैध गतिविधियों का आरोप, प्रधान ने की निष्पक्ष जांच की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। करौंदिया देहात (चुनहा) ओवरब्रिज के पास संचालित द हेवन होटल को लेकर ग्राम प्रधान इसरार हुसैन ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को उन्होंने ग्रामीणों के साथ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर होटल में कथित रूप से अवैध देह व्यापार, नशा परोसने और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराने तथा आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

शिकायत में कहा गया है कि होटल में ओयो बुकिंग की आड़ में कथित तौर पर लड़के-लड़कियों को बुलाया जाता है और वहां अनैतिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। प्रधान का आरोप है कि इससे आसपास के क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। शिकायती पत्र के अनुसार इस संबंध में 7 अप्रैल को जिलाधिकारी और आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से भी शिकायत की गई थी, जिसे जांच के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय भेजा गया। आरोप है कि इस पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

प्रधान ने यह भी दावा किया कि 30 अप्रैल को ग्रामीणों की सूचना पर डायल-112 पुलिस और निरालानगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची थी। शिकायत के मुताबिक मौके से पांच संदिग्ध जोड़े मिले थे। हालांकि प्रधान का आरोप है कि सभी को बालिग बताकर छोड़ दिया गया और आवश्यक जांच प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाद में मामले में औपचारिक रिपोर्ट भेजकर उच्च अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास किया गया। इस मामले में ग्राम प्रधान इसरार हुसैन के साथ मोहम्मद अली, निजामुद्दीन, रोशन अली, अच्छे भाई तथा वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक सिंह बिसेन सहित कई स्थानीय लोगों ने अपर पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

घर-घर पहुंचाएंगे डायरिया से बचाव के सन्देश

सीएमओ ने प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरि दत्त नेमी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से तीन प्रचार वाहनों को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का सन्देश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 25 जून से 25 अगस्त तक डायरिया रोको अभियान

चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम-"स्वच्छ जल, समुचित उपचार- डायरिया से बचें हर बार" तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

एसीएमओ व आरसीएच नोडल अधिकारी डॉ. रमित रस्तोगी का कहना है कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर एसीएमओ नोडल डॉ. कैलाश चंद्रा एवं एसीएमओ डॉ. एस पी यादव, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अश्वनी गौतम, डीसीपीएम योगेन्द्र, यूएचसी मिलिंद गौतम, कमरूल अमीन अंसारी, सीएमओ कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी के अलावा पीएसआई इंडिया से राम कुमार तिवारी व अन्नू अग्रवाल भी मौजूद रहे।

पहाड़ों पर अगले 6 दिन तक भारी बारिश, बिहार-छत्तीसगढ़ में भी अलर्ट, दिल्ली सहित इन 15 राज्यों में कैसा रहेगा मौसम?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। राजधानी दिल्ली में इन दिनों लोग उमसभरी गर्मी से बेहाल हैं। आसमान में बादल छाए रहने के बावजूद बारिश नहीं हो रही है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 17 और 18 जुलाई के लिए भीषण गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के मुताबिक, 17 से 19 जुलाई के बीच हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं 20 से 22 जुलाई के दौरान इन राज्यों में भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

हिमाचल प्रदेश-उत्तराखंड में कैसा रहेगा मौसम?

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अगले छह दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। 17 से 22 जुलाई के बीच इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिजली चमकने, तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

राजस्थान में भी 17 से 22 जुलाई तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में 20 से 22 जुलाई के बीच तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अगले कई दिनों तक भारी वर्षा की संभावना है। छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में 17 से 21 जुलाई के बीच भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

बिहार, झारखंड और ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट

पूर्वी भारत में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी मानसून सक्रिय रहेगा। ओडिशा में 17 जुलाई को कुछ स्थानों पर भारी से बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

पूर्वोत्तर भारत में मानसून पूरी तरह सक्रिय बना हुआ है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 17 से 22 जुलाई तक भारी बारिश होने का अनुमान है। कई इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ आंधी और बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है।

मौसम विभाग ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने, जलभराव वाले इलाकों से बचने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को फिलहाल दो दिन उमसभरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा, लेकिन सप्ताहांत के बाद बारिश राहत लेकर आ सकती है।

पट्टे की जमीन पर दबंगों का कब्जा, न्याय के लिए दर-दर भटक रहा गरीब किसान

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर/बल्दीराय। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुख बडेरी में कृषि पट्टे की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सरकारी योजना के तहत आवंटित कृषि पट्टे की जमीन पर कब्जा न मिलने से गरीब पट्टाधारक अर्जुन पुत्र हरीराम न्याय के लिए लगातार तहसील और जिला प्रशासन के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

पीड़ति का आरोप है कि सरकार द्वारा उन्हें कृषि कार्य के लिए पट्टे पर भूमि आवंटित की गई थी। इसी जमीन पर खेती कर वह अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके पास जीविकोपार्जन का कोई दूसरा साधन या कृषि भूमि नहीं है। इसके बावजूद दबंगों ने उनकी पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है और प्रशासन अब तक उन्हें कब्जा दिलाने में असफल रहा है। अर्जुन का

कहना है कि उन्होंने कई बार उप जिलाधिकारी बल्दीराय, हल्का लेखपाल और अन्य तहसील के अधिकारियों को लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। लगातार शिकायतों के बाद भी जमीन का कब्जा न दिलाए जाने से प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ति ने आरोप लगाया कि मामले में हल्का लेखपाल की भूमिका भी संदिग्ध दिखाई दे रही है। शिकायतों के बावजूद राजस्व विभाग की ओर से न तो सीमांकन कराया गया और न ही अवैध कब्जा हटाने की ठोस कार्रवाई की गई। इससे दबंगों के हौसले बुलंद हैं और गरीब पट्टाधारक न्याय के लिए भटक रहा है।

अब पीड़ति ने जिलाधिकारी सुल्तानपुर से हस्तक्षेप कर अपनी पट्टे की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने, निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों और कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह मामला एक बार फिर सवाल खड़ा करता है कि जब सरकार भूमिहीन गरीबों को आजीविका के लिए पट्टे की जमीन उपलब्ध कराती है, तो उन्हें उस जमीन का वास्तविक कब्जा दिलाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? यदि शिकायतों के बाद भी गरीब को न्याय नहीं मिलता, तो शासन की मंशा और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

मुख्यमंत्री योगी का विपक्ष पर तीखा हमला, कहा- विकास और सुरक्षा से बदली शामली-कैराना की तस्वीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली जनपद के कैराना, शामली और थानाभवन विधानसभा क्षेत्रों को 581 करोड़ रुपये से अधिक की 89 विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय क्षेत्र में भय, अपराध और पलायन का माहौल था, जबकि वर्तमान सरकार ने विकास, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है।विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कैराना और कांधला से कभी पलायन की खबरें सुर्खियां बनती थीं, लेकिन आज यही क्षेत्र विकास और निवेश की नई पहचान बन रहा है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल समाज को क्षेत्र और जाति के आधार पर बांटने का प्रयास करते हैं, इसलिए ऐसे तत्वों से सावधान रहने की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री ने शामली और कैराना के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि कैराना घराने ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयां दी हैं और शामली की धरती धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले शामली की पहचान अपराध, भय और असुरक्षा से जुड़ी हुई थी। उस समय लोग इस क्षेत्र में आने से कतराते थे, लेकिन अब कानून-व्यवस्था में सुधार, बेहतर पुलिसिंग और विकास कार्यों के कारण हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज शामली अपने गन्ना उत्पादन, बेहतर बिजली व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी जाना जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि शामली अब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, शामली-अंबाला एक्सप्रेसवे और गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क नेटवर्क से जुड़कर उत्तर भारत का महत्वपूर्ण संपर्क केंद्र बन रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि बेहतर आधारभूत संरचना और सुरक्षित माहौल के कारण आने वाले वर्षों में शामली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के सबसे समृद्ध जिलों में शामिल होगा।गन्ना किसानों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2007 से 2017 के बीच प्रदेश में 29 चीनी मिलें बंद हो गई थीं और कई मिलें औने-पौने दामों पर बेच दी गई थीं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2017 के बाद सरकार ने चीनी उद्योग को पुनर्जीवित किया और आज प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा रहा है तथा वर्तमान में गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति कुंतल तक पहुंच चुका है। उत्तर प्रदेश चीनी, गन्ना और एथेनॉल उत्पादन में देश में अग्रणी बन चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि शामली, थानाभवन और कैराना में हुए बदलाव को देखकर उन्हें सार्वजनिक जीवन में आने का उद्देश्य सफल होता दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा और कानून-व्यवस्था में सुधार का असर दिखाई दे रहा है। यूपी बोर्ड और सीबीएसई की मेरिट सूची में शामली के विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज बच्चे भी बिना भय के पढ़ाई कर रहे हैं क्योंकि अपराधियों के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह सख्त है। उन्होंने रोजगार और सरकारी नौकरियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब किसी विशेष क्षेत्र या परिवार का वर्चस्व नहीं रह गया है। प्रदेश में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया लागू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं को भी समान अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैराना में पीएसी की नई बटालियन स्थापित की जा रही है, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का उनका सपना डबल इंजन सरकार पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर मूल्य, युवाओं को रोजगार, गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ और व्यापारियों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जा रहा है।कांवड़ यात्रा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं और कांवड़ संघों से अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या उपद्रव स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की मर्यादा भंग करने का प्रयास करे तो उसे तत्काल अलग कर देना चाहिए, क्योंकि कुछ लोग पर्वों की गरिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने थानाभवन के विधायक अरशद अली के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद कार्यक्रम में उपस्थित शामली के विधायक प्रसन्न चौधरी की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से लगभग 750 किलोमीटर लंबा गोरखपुर-शामली आर्थिक कॉरिडोर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और शामली को पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य हिस्सों से बेहतर संपर्क मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रदेश का पहला एकीकृत निजी टेक्सटाइल परियोजना शामली में स्थापित की जाएगी।

लखनऊ में नकली दवाओं का बड़ा भंडाफोड़, 2,157 बोतल संदिग्ध औषधियां बरामद, एक गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नकली और अधोमानक दवाओं के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लखनऊ में बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना बक्शी का तालाब पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर तैयार की जा रही बड़ी मात्रा में नकली दवाओं का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान 2,157 बोतल संदिग्ध एवं नकली औषधियां बरामद की गईं, जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार कर दो अन्य की तलाश शुरू कर दी गई है।पुलिस के अनुसार 16 जुलाई 2026 को प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर किसान पथ स्थित मामपुर खड़ंजा मार्ग पर एक संदिग्ध ओमनी वैन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में बड़ी मात्रा में दवाइयां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया। जांच के दौरान वाहन में मौजूद व्यक्ति किसी भी प्रकार का वैध औषधि लाइसेंस अथवा बिल प्रस्तुत नहीं कर सका।औषधि निरीक्षकों की टीम ने मौके पर दवाओं की जांच की, जिसमें प्रसिद्ध कंपनियों के नाम से तैयार की गई रुबीरेड, अल्कासोल शुगर फ्री और म्यूकेन जेल की कुल 2,157 बोतलें बरामद हुईं। इनमें 246 बोतल रुबीरेड, 1,063 बोतल अल्कासोल शुगर फ्री तथा 848 बोतल म्यूकेन जेल शामिल हैं। वर्षा के कारण सभी दवाओं को 13 प्लास्टिक की बोरियों में सील कर सुरक्षित कब्जे में लिया गया।जांच के दौरान अल्कासोल शुगर फ्री के निर्माता प्रतिनिधियों ने कंट्रोल सैंपल से तुलना की, जिसमें लेबल, ढक्कन, छपाई, लोगो और सुरक्षा चिन्हों में गंभीर अंतर पाए गए।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से किसानों की आय बढ़ेगी, युवाओं को मिलेंगे रोजगार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास और हरित ऊर्जा को समान प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। सौर ऊर्जा आधारित औद्योगिक मॉडल भविष्य की आवश्यकता है, जो उद्योगों की लागत कम करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में भी सहायक होगा।उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों और निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश करें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके।इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में गठित मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त 11 निवेश प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिनमें से 9 प्रस्तावों को निर्धारित शर्तों के साथ स्वीकृति के लिए राज्य स्तरीय समिति के समक्ष भेजने की संस्तुति की गई। इन प्रस्तावों में लगभग 70 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा।समिति द्वारा बरेली के दो, गोरखपुर के दो तथा कानपुर नगर, ललितपुर, बदायूं, लखनऊ और हापुड़ के एक-एक प्रस्ताव को संस्तुत किया गया।बैठक में बी.एल. मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग योजना के तहत 99 प्रतिशत ऋण वितरण के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत 'लेटर ऑफ कंफर्ट' औसतन 20 दिनों में जारी किए जा रहे हैं, जबकि स्वीकृत इकाइयां अब औसतन 200 दिनों में संचालित हो रही हैं। पहले यही प्रक्रिया लगभग 500 दिन लेती थी।

नीट यूजी 2026 में लखनऊ के श्रीनारायण हरि मिश्रा बने सिटी टॉपर, ऑल इंडिया रैंक 105 हासिल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 के घोषित परिणामों में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के लखनऊ केंद्र के छात्र श्रीनारायण हरि मिश्रा ने ऑल इंडिया रैंक 105 प्राप्त कर लखनऊ सिटी टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। संस्थान ने इसे छात्र की मेहनत, अनुशासित तैयारी और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया है।आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक धनंजय कुमार मिश्रा ने श्रीनारायण की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे आकाश परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि श्रीनारायण ने अपनी मेहनत, अनुशासन और निरंतर सीखने की इच्छा के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने छात्र और उसके परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।श्रीनारायण हरि मिश्रा ने अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ऑल इंडिया रैंक 105 प्राप्त करना और लखनऊ का सिटी टॉपर बनना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के विश्वास और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि नियमित अभ्यास परीक्षाएं, विस्तृत प्रदर्शन विश्लेषण, शंकाओं के समाधान और अनुशासित कक्षाओं ने उनकी तैयारी को मजबूत बनाया तथा पूरे समय उनका आत्मविश्वास बनाए रखा। उन्होंने कहा कि यह सफलता उन्हें भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनने के लिए और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देती है।संस्थान के अनुसार लखनऊ केंद्र के अन्य सफल विद्यार्थियों में सूरज कुमार ने ऑल इंडिया रैंक 275, सौरिश तिवारी ने 308, मोहम्मद अली ने 535, मोहित राज ने 1111 तथा जयंत जैन ने 1312वीं रैंक प्राप्त की है।आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने दावा किया कि नीट यूजी 2026 में उसके विद्यार्थियों ने देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। संस्थान के अनुसार इस वर्ष शीर्ष 10 में उसके चार विद्यार्थी, शीर्ष 50 में 18 विद्यार्थी और शीर्ष 100 में 41 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है। संस्थान का कहना है कि यह सफलता गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुभवी शिक्षकों, सुव्यवस्थित अध्ययन सामग्री, नियमित मूल्यांकन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की प्रभावी व्यवस्था का परिणाम है।संस्थान ने बताया कि उसका शिक्षण मॉडल अनुभवी शिक्षकों, वैज्ञानिक तरीके से तैयार अध्ययन सामग्री, तकनीक आधारित शिक्षण, नियमित मूल्यांकन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रदर्शन विश्लेषण और व्यक्तिगत मार्गदर्शन पर आधारित है।

जलभराव रोकने के लिए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के विश्वास खंड और विवेक खंड क्षेत्र में चल रहे नाला निर्माण एवं नाला सफाई कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल के दौरान शहर के किसी भी हिस्से में जलभराव की समस्या न होने पाए और सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने विश्वास खंड में निर्माणाधीन 600 मीटर लंबे नाले का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि नाले का 500 मीटर हिस्सा तैयार हो चुका है, जबकि शेष निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इस पर मंत्री ने निर्देश दिया कि शेष कार्य भी शीघ्र पूरा कराया जाए ताकि क्षेत्र के लोगों को वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि नाले के पूर्ण होने से विश्वास खंड सहित आसपास के इलाकों में वर्षा का पानी तेजी से निकलेगा और जल निकासी व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी।इसके बाद मंत्री ने नाला सफाई अभियान का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नालों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे वर्षा के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वर्षाकाल में जलभराव की आशंका वाले सभी संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। जहां कहीं भी जल निकासी में बाधा उत्पन्न हो, उसे तत्काल दूर किया जाए तथा आमजन से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़, लखनऊ से सात आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष अभियान के तहत लखनऊ पुलिस की अपराध शाखा और साइबर थाना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र स्थित एक आवासीय अपार्टमेंट में संचालित फर्जी कॉल सेंटर पर छापेमारी कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर विशेष रूप से अमेरिका के नागरिकों को झांसा देकर आर्थिक ठगी कर रहा था। पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी बरामद किए हैं।यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देशन, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के पर्यवेक्षण तथा पुलिस उपायुक्त (अपराध) अनिल कुमार यादव के मार्गदर्शन में अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) किरन यादव के नेतृत्व में अपराध शाखा, साइबर थाना और साइबर प्रकोष्ठ की संयुक्त टीम ने की।पुलिस के अनुसार स्थानीय स्तर पर प्राप्त सूचना के आधार पर सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के ओमेक्स आर-02 आवासीय परिसर में छापेमारी की गई, जहां एक संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहा था। कार्रवाई के दौरान सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से साइबर अपराध में प्रयुक्त उपकरण तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए।प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी विदेशी नागरिकों, विशेष रूप से अमेरिका के लोगों का डाटा प्राप्त कर उन्हें फोन करते थे। सबसे पहले उनके कंप्यूटर या लैपटॉप में वायरस संबंधी संदेश भेजे जाते थे, जिनमें सहायता के लिए एक निःशुल्क दूरभाष संख्या दी जाती थी। जब पीड़ित उस संख्या पर संपर्क करता था तो आरोपी स्वयं को तकनीकी सहायता या साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बताकर बातचीत शुरू करते थे।इसके बाद पीड़ित को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उसके बैंक खाते, डिजिटल पहचान अथवा सामाजिक सुरक्षा संख्या का उपयोग किसी गंभीर अपराध में हुआ है। आरोपी स्वयं को सरकारी जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाते थे। विश्वास पैदा करने के लिए फर्जी जांच रिपोर्ट, पहचान चोरी की रिपोर्ट, गोपनीयता अनुबंध तथा अन्य सरकारी दस्तावेजों जैसे दिखने वाले कूटरचित अभिलेख ई-मेल के माध्यम से भेजे जाते थे।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी दूरस्थ नियंत्रण वाले अनुप्रयोगों के माध्यम से पीड़ितों के कंप्यूटर का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेते थे। इसके बाद उनकी बैंकिंग और वित्तीय जानकारी प्राप्त कर उनसे उपहार कार्ड खरीदवाए जाते थे। जिन मामलों में अधिक धनराशि वसूलनी होती थी, उनमें विदेश में मौजूद अपने नेटवर्क के माध्यम से नकदी अथवा सोना भी प्राप्त कराया जाता था।पुलिस के अनुसार गिरोह पूरी तरह संगठित तरीके से काम कर रहा था। प्रत्येक सदस्य की अलग जिम्मेदारी तय थी। एक टीम संभावित पीड़ितों से संपर्क कर उनका विश्वास जीतती थी, दूसरी टीम उनके कंप्यूटर का नियंत्रण लेकर वित्तीय जानकारी हासिल करती थी, जबकि अन्य सदस्य धनराशि प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी करते थे। गिरोह विभिन्न राज्यों से ऐसे युवाओं की भर्ती करता था जिन्हें अंग्रेजी भाषा में बातचीत का अनुभव था, ताकि विदेशी नागरिकों को आसानी से झांसे में लिया जा सके।प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला कि आरोपी सीधे बैंक खातों में धनराशि लेने के बजाय उपहार कार्ड, डिजिटल वाउचर और सांकेतिक डिजिटल मुद्रा के माध्यम से भुगतान प्राप्त करते थे, जिससे धन के वास्तविक स्रोत और अंतिम लाभार्थियों तक पहुंचना कठिन हो जाए। पुलिस अब इस पूरे वित्तीय नेटवर्क की विस्तृत जांच कर रही है।छापेमारी के दौरान पुलिस ने आठ लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन, नौ हेडफोन, चार इंटरनेट राउटर, दो कंप्यूटर माउस, पांच लैपटॉप चार्जर सहित अन्य उपकरण बरामद किए।

संक्षेप

बीबीएयू और रोटरी क्लब ने चलाया वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) एवं रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रांस गोमती के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विश्वविद्यालय स्थित सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, रोटरी क्लब के पदाधिकारियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्राओं ने सामूहिक रूप से पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण तथा हरित परिसर निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रांस गोमती की अध्यक्ष रोटेरियन पूर्वी मित्तल, सचिव रोटेरियन विनोद सिंह, कोषाध्यक्ष रोटेरियन इला गंभीर तथा कार्यक्रम संयोजक प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे। वृक्षारोपण अभियान में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की 20 यूपी गर्ल्स बटालियन एवं 67 यूपी बटालियन का भी विशेष सहयोग रहा।इस अवसर पर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सभी से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया।कुलपति ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति पौधरोपण के साथ-साथ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए, तो हरित एवं स्वच्छ भारत का लक्ष्य सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने पांच सहायक अभियंताओं के तबादले किए, एक को नई जिम्मेदारी

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) ने प्रशासनिक आवश्यकता के दृष्टिगत पांच सहायक अभियंताओं के स्थानांतरण एवं कार्य आवंटन के आदेश जारी किए हैं। प्रबंध निदेशक की ओर से 15 जुलाई को जारी कार्यालय ज्ञाप के अनुसार अधिकारियों को नई तैनाती पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार सहायक अभियंता अशोक कुमार को मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ से मुख्य अभियंता (वितरण), बरेली क्षेत्र-प्रथम, बरेली में तैनात किया गया है। अवधेश कुमार सिंह को मध्यांचल मुख्यालय से मुख्य अभियंता (वितरण), देवीपाटन क्षेत्र, गोंडा भेजा गया है। वहीं छवि गुप्ता को मुख्य अभियंता (वितरण), अयोध्या क्षेत्र में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसी क्रम में राम बिलाश सिंह कुशवाहा को मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ से मुख्य अभियंता (वितरण), सीतापुर क्षेत्र में तैनात किया गया है। जबकि वर्णिका गुप्ता को स्थानांतरण के बजाय मध्यांचल मुख्यालय में ही निदेशक (वाणिज्य) के नियंत्रणाधीन सहायक अभियंता (संबद्ध) के रूप में नई जिम्मेदारी दी गई है।कार्यालय ज्ञाप में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित अधिकारियों को बिना प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए तत्काल कार्यमुक्त किया जाएगा। साथ ही नियंत्रक अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यमुक्ति की तिथि पर वार्षिक गोपनीय आख्या से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कराई जाएं।निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी अधिकारी का पूर्व में जारी स्थानांतरण आदेश अभी प्रभावी नहीं हुआ है, तो नवीन आदेश लागू होने के साथ वह स्वतः निरस्त माना जाएगा। इसके अलावा ग्रीष्म ऋतु के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के मद्देनजर इन अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining Time) की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी और उन्हें तत्काल नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई को लेकर आप का भाजपा पर हमला, संजय सिंह बोले- शिक्षा संस्थानों को निशाना बना रही सरकार

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने के आदेश पर भाजपा सरकार की आलोचना की है। उन्होंने इसे शिक्षा विरोधी कदम बताते हुए आरोप लगाया कि केंद्र और प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं तथा राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है। लखनऊ में जारी बयान में संजय सिंह ने कहा कि एक ओर देश में सरकारी स्कूलों की स्थिति लगातार खराब हो रही है और दूसरी ओर स्थापित विश्वविद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा को मजबूत करने के बजाय उसे कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है।आप सांसद ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों को ध्वस्त करने का आदेश दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके अनुसार यह केवल एक इमारत का मामला नहीं, बल्कि उन विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा विषय है जो वहां शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं या आगे करने वाले थे। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शिक्षा के केंद्रों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक कारणों से उन्हें नुकसान पहुंचाया जाना चाहिए।संजय सिंह ने सरकारी स्कूलों की स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने दावा किया कि देश में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और बड़ी संख्या में विद्यालय शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। उनका कहना था कि करीब 1.20 लाख सरकारी स्कूल ऐसे हैं जहां पूरी व्यवस्था एक ही शिक्षक के भरोसे संचालित हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि एक शिक्षक के सहारे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे संभव है।उन्होंने छात्राओं की सुविधाओं का मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि देश के हजारों स्कूलों में अब भी बालिकाओं के लिए शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार #बेटी पढ़ाओ#, बेटी बचाओ जैसे नारों के बावजूद शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने में विफल रही है।संजय सिंह ने पेपर लीक की घटनाओं और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय सरकार राजनीतिक विरोधियों से जुड़े संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई पर अधिक ध्यान दे रही है। उनका आरोप था कि शिक्षा के साथ किया जा रहा यह व्यवहार आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

हमें हक़ नहीं: शिक्षा में किसी का भविष्य खरीदने का

सोनम वांगचुक इस समय दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। वे जवाबदेही तय करने और शिक्षा व्यवस्था में ठोस सुधारों की माँग कर रहे हैं।

अभी तक उपलब्ध विश्वसनीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने और पुनः परीक्षा की घोषणा के बाद 37 दिनों के भीतर कम-से-कम 12 अभ्यर्थियों की आत्महत्या के मामले सामने आए। यह संख्या सरकारी आँकड़ा नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों में हुई घटनाओं का समाचार-पत्रों द्वारा किया गया संकलन है।

द इंडियन एक्सप्रेस की 2024 की जाँच के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में 15 राज्यों में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक के 41 दस्तावेज़ित मामले सामने आए, जिनसे लगभग 1.4 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए और 1.04 लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया बाधित हुई। यदि इसमें 2025-26 की प्रमुख घटनाएँ भी जोड़ दी जाएँ, तो एनईईटी-यूजी 2026, यूजीसी-नेट 2024, यूपी पुलिस कांस्टेबल 2024, यूपीपीएससी आरओ/एआरओ 2024, यूकेएसएसएससी और एचपीएससी सहायक प्रोफेसर सहित कई परीक्षाएँ रद्द या पुनः आयोजित करनी पड़ीं। कुछ मीडिया विश्लेषणों के अनुसार, पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक बड़े पेपर लीक के मामलों से लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए।

एक राष्ट्र तभी आगे बढ़ता है, जब उसकी शिक्षा व्यवस्था भरोसेमंद, सुलभ और न्यायपूर्ण हो। यदि परीक्षा बिकने लगे, अवसर छिनने लगें और मेहनत का मूल्य कम हो जाए, तो समाज की सबसे बड़ी पूँजी, उसका युवा निराशा का शिकार हो जाता है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सपनों, आत्मसम्मान और भविष्य की नींव है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दायित्व निष्पक्षता और समान अवसर सुनिश्चित करना है।

आज देश का युवा दोहरी मार झेल रहा है। एक ओर बढ़ती बेरोज़गारी है, दूसरी ओर नौकरी और उच्च शिक्षा तक पहुँचने का रास्ता लगातार कठिन होता जा रहा है। लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं और परिवार अपनी जमा-पूँजी कोचिंग तथा परीक्षा की तैयारी पर खर्च कर देता है। लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में आ जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान केवल परिणाम का नहीं, बल्कि व्यवस्था पर से विश्वास का होता है।

वर्ष 2024-25 में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की खुली बेरोज़गारी दर लगभग 11 से 12 प्रतिशत के बीच मानी गई। ऐसे समय में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं की हर घटना युवाओं की निराशा को और गहरा करती है। निजी कोचिंग, टेस्ट सीरीज़ और अध्ययन सामग्री पर एक परिवार को साल भर में लगभग पचास हजार से दो लाख रुपये तक खर्च करना पड़ता है, जो मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए भारी बोझ है।

पिछले वर्ष नीट परीक्षा में लगभग 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। सीमित सीटों के बीच परीक्षा रद्द होने या अनियमितता की हर घटना लाखों विद्यार्थियों का समय, आत्मविश्वास और जीवन के बहुमूल्य वर्ष छीन लेती है। राजस्थान सहित कई राज्यों में भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के रद्द होने से हजारों अभ्यर्थियों को दोबारा उसी अनिश्चितता और तैयारी के दौर से गुजरना पड़ा।

समय-समय पर नियमों और पाठ्यक्रम में होने वाले बदलाव भी तब चिंता का विषय बन जाते हैं, जब वे छात्रों के लिए अनावश्यक कठिनाइयाँ पैदा करें। शिक्षा का केंद्र छात्र होना चाहिए, न कि केवल नियमों की लंबी सूची।

समय आ गया है कि शिक्षा को बाज़ार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार माना जाए। किसी की मेहनत, सपनों और भविष्य की कीमत तय करने का अधिकार न किसी भ्रष्ट व्यवस्था को है और न ही पैसे या पहुँच के बल पर अवसर खरीदने वालों को क्योंकि सच यही है कि हमें हक़ नहीं शिक्षा में किसी का भविष्य खरीदने का...

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में।

इस विशाल पथ पर

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक़्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ:

यह बात याद कर हृदय में पूजूँगा उन्हें निरंतर।

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गाँव के स्कूल मंर पढ़ती थी, भक्त सालबेग की आहे नीड़ो शोइड़ो प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु, उनका प्रसाद महाप्रसाद है, उनका मंदिर बड़ा मंदिर है, उनका पथ विशाल पथ (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र महोदधि है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं?

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ!

राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना - यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे भाव के ठाकुर हैं। मेरा भाव कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ी रुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई।

पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों और बुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहीं रह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश। गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दुःख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु। देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

लेखिक भारत की राष्ट्रपति हैं

व्यंग्य

भारत की भूमिका दर्शक भर की

नई दुनिया को परिभाषित करने वाली तकनीकों में अपना प्रतिमान बनाने की होड़ में भारत बहुत पीछे छूट गया है। नतीजतन अमेरिकी या चीनी प्रतिमानों में से किसी एक पर निर्भर होना हमारी नियति बन गई है।

खबर है कि फेबल-5 और माइथोस-5 जैसे उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मॉडल्स तक विदेशियों की पहुंच रोकने के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के आदेश के बाद भारत की बड़ी कंपनियां भी चीन के ओपेन सोर्स मॉडल वाले एआई एजेंट्स की सेवाएं ले रही हैं। सस्ता होने के कारण स्टार्ट-अप कंपनियों के बीच पहले से ही चीनी मॉडल लोकप्रिय हैं। स्पष्टतः यह रुझान हाई टेक क्षेत्र में हमारी निराशाजनक उपस्थिति का प्रमाण है। नई दुनिया जिन तकनीकों से परिभाषित होगी, उनमें भारत की मौजूदगी महज हेडलाइन और नैरेटिव निर्माण तक सीमित है। जबकि कड़वी हकीकत यह है कि उन तकनीकों में अपना मॉडल और प्रतिमान बनाने के लक्ष्य में भारत बहुत पीछे छूट गया है। ऐसे में अमेरिकी या चीनी प्रतिमानों में से किसी एक पर निर्भर होना हमारी नियति बन गई है।

एआई के बाद अब क्वांटम कंप्यूटिंग में अमेरिका और चीन के बीच तीखी होड़ शुरू हो चुकी है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्वांटम कंप्यूटिंग को राष्ट्रीय रणनीतिक संपत्ति घोषित करने वाले कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। साथ ही अमेरिकी कंपनियों के लिए दो बिलियन डॉलर के विशेष पैकेज की घोषणा की। विशेषज्ञों के मुताबिक यह नए तकनीक युद्ध की शुरुआत है। अमेरिका का ध्यान विशेष रूप से क्वांटम वेफर उत्पादन और जीपीएस की जगह लेने वाले क्वांटम सेंसर्स के सैन्य इस्तेमाल पर केंद्रित है, ताकि भविष्य के युद्धों में सिग्नल जैमिंग जैसी चुनौतियों को बेअसर किया जा सके।

मगर चीन इस बिसात पर पीछे नहीं है। उसने अपनी 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-2030) में क्वांटम तकनीक को भविष्य के छह प्रमुख उद्योगों में सबसे ऊपर रखा है। मार्केट रिसर्च कंपनी मैकिन्से के अनुमानों के अनुसार चीन का सार्वजनिक निवेश 15 बिलियन डॉलर से अधिक है, जो अमेरिकी सरकारी निवेश से लगभग दोगुना है। जहां अमेरिका निजी क्षेत्र के नवाचार और सेमीकंडक्टर प्रभुत्व पर भरोसा कर रहा है, वहीं चीन का दृष्टिकोण राज्य-नियोजित और रणनीतिक है। इस राह पर चलते हुए उसने इस क्षेत्र में आरंभिक बढ़त बना ली है। यही कथा रॉबोटिक्स और बायोटेक क्षेत्रों की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन सब में भारत की भूमिका दर्शक भर की रह गई है।

ब्लॉग

पंजाब में कांग्रेस को आपसी खींचतान में उलझा देख भाजपा ने मोदी को आगे कर पलट दी बाजी

नीरज कुमार दुबे

पंजाब में विधानसभा चुनावों से पहले का राजनीतिक परिदृश्य बड़ा हैरान कर देने वाला है। एक ओर सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी अपनी नाकामियों और तमाम तरह के आरोपों का सामना कर रही है, वहीं खुद को सत्ता की प्रबल दावेदार मान रही कांग्रेस में एकाएक जबरदस्त आपसी खींचतान मच गयी है। साथ ही पंजाब में कई बार राज कर चुका शिरोमणि अकाली दल अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है तो वहीं राज्य में पहली बार अपने दम पर सभी विधानसभा सीटों पर लड़ने का ऐलान कर चुकी भाजपा ने मौका देख कर अपनी चुनावी रणनीति को नई धार दे दी है।

हम आपको बता दें कि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर विकास, धार्मिक-सामाजिक समीकरणों और नए राजनीतिक संदेश के सहारे अपनी जमीन मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जालंधर दौरे पर आ रहे हैं। उनका दौरा केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे 2027 की चुनावी बिसात का स्पष्ट राजनीतिक संदेश छिपा है।

भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब राज्य की राजनीति सतलुज फिल्म विवाद से गर्माई हुई है। इस पूरे विवाद में भाजपा सबसे अधिक राजनीतिक दबाव में दिखाई दी। पार्टी लगातार यह कहती रही कि फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में उसकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन विपक्ष ने पूरे विवाद का राजनीतिक ठीकरा भाजपा पर ही फोड़ दिया। भाजपा के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आए। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म को पंजाब की त्रासदी का ₹एकतरफा चित्रण₹ बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि इसमें आतंकवाद की पृष्ठभूमि तथा पुलिसकर्मियों के बलिदान की अनदेखी की गई है। दूसरी ओर वरिष्ठ भाजपा नेता इकबाल सिंह लालपुरा ने सार्वजनिक रूप से बिट्टू को ₹अपनी सीमाओं में रहने₹ की सलाह दी। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने भी माहौल शांत करने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब ने बहुत खून-खराबा देखा है, इसलिए पुराने जख्मों को कुरेदने की बजाय शांति और जिम्मेदार संवाद की जरूरत है। पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया जा रहा है कि फिल्म कांग्रेस शासनकाल की घटनाओं पर आधारित होने के बावजूद राजनीतिक जवाब भाजपा को देना पड़ रहा है।

ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी का विकास एजेंडा भाजपा के लिए राजनीतिक नैरेटिव बदलने का प्रयास माना जा रहा है। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का उद्घाटन, मोहाली, श्री मुक्तसर साहिब और श्री आनंदपुर साहिब समेत कई रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण केवल आधारभूत ढांचे का विस्तार नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी है कि भाजपा पंजाब में विकास की राजनीति को केंद्र में रखना चाहती है। साथ ही यह भी तय माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ेगी।

इस दौरे का दूसरा बड़ा आयाम रविदासिया समाज तक पहुंच बनाना है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी गुरु रविदास जयंती पर डेरा सचखंड बल्लां पहुंच चुके हैं। जालंधर और पूरा दोआबा क्षेत्र रविदासिया समुदाय का प्रभावशाली राजनीतिक केंद्र माना जाता है, जहां अनुसूचित जाति मतदाता चुनावी परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनंदपुर साहिब और मोहाली जैसे धार्मिक एवं शहरी क्षेत्रों को भी इस दौरे में शामिल करना भाजपा की व्यापक सामाजिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। श्री मुक्तसर साहिब का चयन भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल का गृह जिला है। हम आपको बता दें कि भाजपा पहले ही 2027 का चुनाव अपने दम पर लड़ने का ऐलान कर चुकी है, हालांकि उसने गठबंधन के विकल्प पूरी तरह बंद भी नहीं किए हैं। ऐसे में विकास और सामाजिक आउटरीच के जरिए पार्टी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

दूसरी ओर कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि उसका अपना संगठन बन गया है। लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी के बावजूद पार्टी हाईकमान ने अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने का फैसला किया है। पार्टी का आकलन है कि विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन संगठन को कमजोर कर सकता है। कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि राज्य के 29 में से 25 जिला अध्यक्ष, सात में से चार सांसद और 18 में से 10 विधायक वड़िंग के साथ हैं। पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने भी स्पष्ट संकेत दिया कि फिलहाल यथास्थिति ही बनी रहेगी और मीडिया में चल रही अटकलों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।

हालांकि यह फैसला कांग्रेस के भीतर नई खींचतान का कारण बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाकर शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश की गई, लेकिन चन्नी समर्थक इसे पर्याप्त नहीं मानते। उनका तर्क है कि चुनाव अभियान का नेतृत्व करने और पंजाब में पार्टी का प्रमुख चेहरा बनने के बाद चन्नी को अधिक अधिकार मिलने चाहिए थे। वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई नेता भी वड़िंग के नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि लोकतांत्रिक दल में मतभेद स्वाभाविक हैं और समय आने पर असंतुष्ट नेताओं को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा, लेकिन फिलहाल संगठन में स्थिरता सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

बहरहाल, स्पष्ट है कि पंजाब की राजनीति अब केवल विकास बनाम विपक्ष की लड़ाई नहीं रह गई है। भाजपा अतीत की बहसों से निकलकर विकास, रेलवे परियोजनाओं और रविदासिया समाज के जरिए नया राजनीतिक विमर्श गढ़ना चाहती है, जबकि कांग्रेस अपने ही संगठनात्मक संकट से जूझते हुए एकजुटता बचाने में लगी है। इस बीच, सतलुज विवाद ने पंजाब के पुराने जख्मों को फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है, लेकिन असली मुकाबला इस बात का होगा कि 2027 तक कौन-सी पार्टी जनता के सामने सबसे विश्वसनीय राजनीतिक कथा स्थापित कर पाती है। फिलहाल भाजपा विकास और सामाजिक समीकरणों के सहारे नई जमीन तलाश रही है, जबकि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी परीक्षा अपने घर की कलह पर नियंत्रण पाने की है। पंजाब की चुनावी बिसात बिछ चुकी है और आने वाले महीनों में यही दोनों ध्रुव राज्य की राजनीति की दिशा तय करेंगे क्योंकि आम आदमी पार्टी के प्रति बढ़ती नाराजगी को देखते हुए सत्ता से उसकी विदाई तय मानी जा रही है।

ममूरा अग्निकांड: 66 कमरों की 5 मंजिला इमारत में सिर्फ 4 छोटे सिलेंडर, फायर एनओसी भी नहीं थी

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-66 स्थित ममूरा गांव की पांच मंजिला इमारत में हुए भीषण अग्निकांड के बाद जांच में कई गंभीर लापरवाहियां सामने आई हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि करीब 66 कमरों और ढाई सौ से अधिक लोगों की क्षमता वाली इस बहुमंजिला इमारत में आग बुझाने के लिए केवल चार छोटे सिलेंडर ही मौजूद थे।

सबसे गंभीर बात यह रही कि पूरी इमारत बिना फायर एनओसी और पर्याप्त फायर सेफ्टी सिस्टम के संचालित की जा रही थी। इस हादसे में दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई, जिसके बाद अब नोएडा फायर विभाग और पुलिस ने अवैध एवं असुरक्षित बहुमंजिला इमारतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

फायर एनओसी नहीं, सुरक्षा के इंतजाम भी नदारद

जांच में सामने आया है कि करीब 16 वर्ष पहले बनाई गई इस पांच मंजिला इमारत में फायर सेफ्टी के बुनियादी इंतजाम तक नहीं थे। न फायर अलार्म था, न ही स्मोक डिटेक्टर, न हाइड्रेंट सिस्टम और न ही आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकासी यानी इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रबंध था।

इमारत में कुल 66 छोटे कमरे बनाए गए थे, जिनमें 250 से अधिक लोग रह रहे थे। एक कमरे में तीन से चार लोगों को रखा जाता था। पीजी का संचालन लीज पर किया जा रहा था। हादसे के दौरान सबसे बड़ी समस्या यह रही कि भवन संकरी गली में बना था। दमकल की गाड़ियों को मौके तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। भवन के बेसमेंट/भूतल पर वाहनों के खड़े होने से राहत एवं बचाव कार्य भी प्रभावित हुआ। अब जांच में यह भी सामने आया है कि भवन को निर्धारित मानकों से अधिक ऊंचाई तक बनाया गया था और आग लगने की स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता मौजूद नहीं था।

दम घुटने से गई दो लोगों की जान

फायर विभाग और पुलिस के अनुसार, आग लगने के बाद ऊपरी मंजिलों पर धुआं तेजी से भर गया। चौथी मंजिल पर रहने वाली स्नेहा श्रीवास्तव और दूसरे कमरे में रह रहे शरद कुमार अपने-अपने कमरों में फंस गए। धुएं के कारण दोनों बेहोश हो गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना बताया गया है। इस पूरे मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनमें लीजधारक कृष्ण कुमार, केयरटेकर धर्मेंद्र और अकाउंटेंट सृजन दास गुप्ता शामिल हैं। मुख्य आरोपी कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पूरे नोएडा में चलेगा विशेष अभियान

नोएडा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि ममूरा अग्निकांड के बाद अब पूरे नोएडा में ऐसे बहुमंजिला भवनों की पहचान की जा रही है, जहां बिना फायर एनओसी और बिना फायर सेफ्टी सिस्टम के लोगों को रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन भवनों का निर्माण तो कर लिया गया, लेकिन फायर विभाग से एनओसी नहीं ली गई या सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। ऐसे भवनों का निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नोटिस, सीलिंग और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अलम नौचंदी ,जुलूसे अमारी में उमड़ा जनसैलाब

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। शहर के बाजार भुआ स्थित स्व. मीर बहादुर अली दालान इमामबारगाह पर अलम नौचंदी और जुलूस अमारी का गुरुवार को आयोजन किया गया। इस जुलूस में शिया समुदाय का भारी जनसैलाब उमड़ा। मजलिस को धर्म गुरु विश्व मौलाना कल्बे रुशैद रिजवी दिल्ली ने खेताब किया। अलम नौचंदी कमेटी के अध्यक्ष सैयद अलमदार हुसैन रिजवी ने बताया कि जुलूस 86 साल पहले अलम की शक्ल में तब उठा था जब पूरे शहर में प्लेग की बीमारी फैली हुई थी। इस बीमारी खतरे को कम करने के लिए प्रभावित इलाकों में अलम को गुजारा गया। जिससे लोगों को इस बीमारी से निजात मिल गई। तभी से ये जुलूस लगातार उठता आ रहा है। आज भी इस अलम पर लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं। बड़ी संख्या में इस वजह से भी लोग यहां आते हैं। बात करें मजलिस की तो जब मौलाना ने हजरत अब्बास का मसाएब पढ़ा तो वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गईं। लोग सीने और सिर पर हाथ मारकर रोने लगे। क्या बड़े, बच्चे, महिलाएं सभी रो रहे थे। इसी के साथ अलम और दुलदुल की शबीह इमामबारगाह से बरामद हुई। अंजुमन अजादारिया बारादुआरिया के हमराह शहर की सभी 20 से ज्यादा अंजुमनों ने जुलूस ने नौहा मातम किया। जुलूस जब मीर घर पहुंचा तो डॉ. कमर अब्बास ने तकरीर की. जिसके बाद अलम और ताबूते सकीना का मिलन कराया गया। ये जुलूस, पांचों शिवाला मंदिर रोड, मोहालगाजी, नसीर खां, छतरीघाट होता हुआ सदर इमामबारगाह पहुंचा और वहां पर आखिरी तकरीर बेलाल हसनैन ने की. इसके बाद जुलूस में अलविदाई मामत हुआ और जुलूस खत्म हो गया।

दलित युवक से चौकी के अंदर मारपीट का आरोप, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से की शिकायत

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। शहर के शाहगंज चौकी परिसर में एक दलित युवक के साथ कथित मारपीट और पुलिस पर आरोपियों को बचाने के आरोप को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि भाजपा नेत्री और उनके बेटे द्वारा एक दलित युवक के साथ मारपीट किए जाने के बावजूद पुलिस ने मामले में लापरवाही बरती। उनका कहना है कि पीड़ति की मूल तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया और उसमें से एससी/एसटी एक्ट की धाराएं भी हटा दी गईं। पीड़ति अरुण कुमार कोरी, निवासी पल्लू का पुरवा, आदर्श नगर (घोसियाना) द्वारा 17 जुलाई को दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, 8 जुलाई को शाहगंज चौराहे पर भाजपा नेत्री पूजा कसौधन और उनके पुत्र रौनक कसौधन ने कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उनके साथ मारपीट की। अरुण का आरोप है कि जान बचाकर जब वह शाहगंज पुलिस चौकी पहुंचे, तब चौकी प्रभारी के कमरे के भीतर ही भाजपा नेत्री और उनके बेटे ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और दोबारा मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का भी दावा किया गया है। पीड़ति का कहना है कि घटना के बाद कोतवाली नगर पुलिस ने उनकी मूल तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने के बजाय दबाव बनाकर तहरीर बदलवा दी। इसके बाद दर्ज किए गए मुकदमे में, अनुसूचित जाति से होने के बावजूद, एससी/एसटी एक्ट की धाराएं शामिल नहीं की गईं। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि विवेचना के दौरान पीड़ति के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में एससी/एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी जाएं। साथ ही भाजपा नेत्री के पुत्र रौनक कसौधन का नाम भी मुकदमे में शामिल करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि घटना के दौरान अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन न करने के आरोपों की जांच कर शाहगंज चौकी प्रभारी अविनाश चंद्र के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामले की जांच जारी है।

चयनित प्रशिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के सभागार में लर्निंग बाय डूइंग योजना के अंतर्गत सेवा प्रदाता के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान एनजीं एंड एनवायरमेंट के 15, एग्रीकल्चर (कृषि) के 15 तथा होम एंड हेल्थ के 16 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने बताया कि चयनित प्रशिक्षक जनपद के सभी विकासखंडों के चयनित दो-दो विद्यालयों एवं पीएम श्री विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि लर्निंग बाय डूइंग योजना का उद्देश्य बच्चों को व्यवहारिक, कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए प्रचार वाहन रवाना

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से प्रचार वाहनों को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके साथ ही जन जागरूकता रैली भी निकाली गयी। इसके माध्यम से भी जन-जन तक बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के प्रमुख सन्देश पहुंचाने की कोशिश हुई।

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का संदेश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में इस समय डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अलका सिंह, जिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गीतांजलि, पीएसआई इंडिया प्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि देने जा रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष को हाउस अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जनपद के बहुचर्चित दूल्हा हत्याकांड में दूल्हे आजाद बिंद को श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके घर जाने की सूचना पर पुलिस द्वारा कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह को उनके सुजानगंज स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट कर उन्हें नजरबंद करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष के आवास को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान को जौनपुर शहर स्थित उनके आवास पर पुलिस ने उन्हें भी हाउस अरेस्ट कर लिया आरिफ खान के घर पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया कांग्रेस जिलाध्यक्ष के साथ पार्टी के जिला सचिव इरशाद खान, रमेश बेबी और फिरोज खान को भी हाउस अरेस्ट किया गया है। पुलिस कार्यवाही से नाराज कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो गयी है, हत्याओ का अंबार लगा हुआ है, महिलाओं की आबरू सुरक्षित नहीं है, हत्या और बलात्कार की रोज होने वाली घटनाओं से प्रदेश के लोगों में भय का माहौल व्याप्त हो गया है। जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार कर भाजपा सरकार संविधान और लोकतंत्र का चीर हरण कर रही है, उन्होंने कहा कि इस सरकार में अपराधी बेखौफ टहल रहे हैं। प्रमोद कुमार सिंह ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसी दिवंगत व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करना इस प्रदेश में अपराध हो गया है, कांग्रेसियों की गिरफ्तारी कर सरकार अपनी नाकामियो को छुपाने का असफल प्रयास कर रही है। श्री सिंह ने आगे कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के डबल इंजन वाली सरकार से ऊब चुकी है।

12 साल के बालक को मगरमच्छ जिंदा खा गया, जबड़े में दबाया, उछाला और लील गया, वीडियो देख कांप गए लोग

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। यूपी के बहराइच में 12 वर्षीय बालक को मगरमच्छ जिंदा खा गया। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें मगरमच्छ बालक को लीलते हुए दिख रहा है। वीडियो देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए।

घटना बौंडी थाना के मुरौवा गांव की है। गांव निवासी सुनील सिंह (12) बृहस्पतिवार को अपने चाचा के साथ धान की रोपाई करने खेत गया था। शाम के समय काम खत्म होने के बाद वह घाघरा (सरयू) नदी के किनारे हाथ-मुंह धोने गया। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे एक मगरमच्छ ने अचानक उस पर हमला कर उसे जबड़ों में दबोच लिया और नदी में खींच ले गया।

पैर और पेट का हिस्सा मगरमच्छ खा गया

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने सुनील को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन मगरमच्छ के हमले के कारण उसे नहीं बचाया जा सका। देर रात करीब 110:30 बजे स्थानीय ग्रामीणों ने नदी से उसका शव बरामद किया। शव के एक पैर और पेट का हिस्सा मगरमच्छ खा गया।

मृतक सुनील के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपने भाई-बहनों के साथ रह रहा था और क्षेत्र के माधवपुरवा-करेहना विद्यालय में कक्षा छह का छात्र था।

ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है

शुक्रवार सुबह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, जबकि नदी किनारे बसे ग्रामीणों में मगरमच्छ के हमले को लेकर दहशत व्याप्त है।

बीएसए ने किया आधा दर्जन स्कूलों का निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर द्वारा आज सुबह से ही जनपद के विभिन्न विकासखंडों का सघन औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत प्रातः 08:15 बजे विकासखंड मुफ्तीगंज स्थित प्राथमिक विद्यालय ओझैनिया से हुई। यहाँ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वयं विद्यालय की प्रार्थना सभा में सम्मिलित हुए और उन्होंने बच्चों को नियमित उपस्थिति तथा अनुशासन का पाठ पढ़ाया। इसके बाद केराकत के पूर्व माध्यमिक विद्यालय तरियारी पहुँचे, यहाँ कार्यरत समस्त शैक्षणिक स्टाफ अपनी ड्यूटी पर उपस्थित था और कुल 276 नामांकित बच्चों में से 205 छात्र मौके पर उपस्थित पाए गए। विद्यालय में नियमों के अनुसार स्मार्ट क्लास का संचालन होता मिला और बच्चों का अधिगम स्तर काफी उच्च कोटि का था। पूर्व माध्यमिक विद्यालय घुरुहरी का निरीक्षण किया गया। यहाँ सहायक अध्यापिका श्रीमती माया सिंह मातृत्व अवकाश पर पाई गईं, जबकि शेष समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। विद्यालय में 54 नामांकित बच्चों के सापेक्ष 39 छात्र उपस्थित मिले और पिछले तीन कार्य दिवसों में एमडीएम के लाभार्थियों की संख्या क्रमशः 44, 40 व 45 दर्ज थी। यहाँ बीएसए ने शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखते हुए शिक्षकों को छात्र नामांकन बढ़ाने के लिए क्षेत्र में प्रभावी जनसंपर्क करने और नामांकन अभियान चलाने के निर्देश दिए।निरीक्षण की अगली कड़ी में केराकत के ही प्राथमिक विद्यालय चौरा का औचक दौरा किया गया। यहाँ सभी शैक्षिक कर्मचारी तो उपस्थित मिले, लेकिन 95 नामांकित छात्रों के सापेक्ष केवल 49 छात्र ही उपस्थित पाए गए।

बहराइच में घाघरा नदी के किनारे हाथ-पैर धोने गए 12 वर्ष के बच्चे को खींच ले गया मगरमच्छ, खौफनाक वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। धान की रोपाई करने के बाद घाघरा नदी के किनारे हाथ-पैर धोने गए 12 वर्ष के बच्चे को मगरमच्छ नदी के बीच में खींच ले गया। बच्चा तड़पता रहा और उसके चाचा चिल्लाते रह गए, लेकिन उसे खा गया। बहराइच में सरयू नदी के किनारे मगरमच्छ ने कक्षा छह के छात्र 12 वर्ष के सुनील सिंह हमला कर दिया। उसे पानी में खींच ले गया. इसके बाद का नजारा देखकर दिल दहल जाएगा। बच्चे को मगरमच्छ लीलने से पहले पानी में बार-बार पटक-झटक रहा था। घटना गुरुवार शाम की है, वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया। थाना प्रभारी टीएन मौर्या ने घटना और वीडियो की पुष्टि की है। वन रेंजर साकिब अंसारी ने बताया कि मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बौंडी थाना क्षेत्र का है।

बहराइच से रोंगटे खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां धान की रोपाई करने के बाद बच्चा नदी में हाथ-पैर धोने गया था, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। उसे जबड़े में दबोच लिया। बच्चे ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मारे। उसके चाचा और ग्रामीणों ने भी ईंट-पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे छोड़ा नहीं। उसने दो-तीन बार बच्चे को उछालकर पानी में पटका, फिर गहरे पानी में खींच ले गया। देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को निगल लिया। यह देखकर उसके चाचा घबरा गए। शोर मचाकर उसे बचाने की कोशिश की। दौड़कर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों को बुलाया। ग्रामीणों ने बच्चे को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे नहीं छोड़ा। पांच घंटे बाद ग्रामीणों ने बच्चे का शव बरामद किया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंच गए। परिजन भी रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए। गांव के प्रधान संजय कुमार त्रिवेदी ने बताया- बच्चे सुनील के चाचा विजय कुमार दोपहर में धान रोपाई का काम रोककर घर खाना खाने आए थे। तभी सुनील जिद करके साथ में चला गया। थोड़ी देर बाद नदी किनारे उस पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। सुनील की चीख सुनकर चाचा और आसपास के लोग भागकर नदी की ओर आए। देखा तो मगरमच्छ ने सुनील को जबड़े में दबोच रखा था। फिर उसे खींचकर गहरे पानी में ले गया। एसडीएम प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी अधिकारियों को दे दी गई है। परिवार को आर्थिक मदद दी जाएगी। सुनील सिंह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा और तीन बहनों का भाई था। सुनील मुरौवा गांव का रहने वाला था। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। पिता बुधराज की पांच वर्ष पहले, जबकि मां की सात वर्ष पहले बीमारी से मौत हो गई थी। चार भाई-बहनों में सुनील दूसरे नंबर पर था। उससे बड़ी बहन सुमन (14), छोटा भाई संजय (10) और सबसे छोटी बहन सीमा (7) है। तीनों भाई-बहन गांव के प्राथमिक स्कूल में पढ़ते हैं, जबकि सुनील पढ़ाई छोड़ चुका था। माता-पिता के निधन के बाद वह अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ रहता था।

हाथ-मुंह धुल रहा था, तभी खींच ले गया

गांव वालों ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने गया था। 3-4 घंटे तक रोपाई करने के बाद देर शाम दोनों खेत से लौटते समय घाघरा नदी में हाथ-पैर धोने लगे। इसी दौरान अचानक नदी से मगरमच्छ निकला और सुनील पर अटैक कर दिया।

अंधेरा हुआ तो टॉर्च की रोशनी में ग्रामीणों ने तलाशा

ग्रामीणों ने बड़े-बड़े बांस के डंडों की मदद से नदी में तलाशी अभियान शुरू किया। इस वक्त घाघरा नदी का बहाव काफी तेज है, इसलिए घटनास्थल से करीब 500 मीटर तक नदी में खोजबीन की गई। दो घंटे तक लगातार तलाश करने के बाद अंधेरा हो गया, लेकिन ग्रामीणों ने खोजबीन नहीं रोकी। वे टॉर्च की रोशनी में बच्चे की तलाश करते रहे। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद रात 10 बजे घटनास्थल से लगभग 300 मीटर दूर नदी में बच्चे का आधा शव उतराता मिला।

सांसद सतीश गौतम का आया विवादित बयान, बोले- गोल टोपी और लंबी दाढ़ी वाले हमें लड़ा रहे

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। गोल टोपी और लंबी दाढ़ी वाले लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर हमें लड़ाने का काम करते हैं। हम सब आपस में भाई हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहना है। खैर नगर पालिका परिषद की ओर से आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में मंच से दिए गए सांसद सतीश गौतम के इस बयान पर समर्थन और विरोध दोनों देखने को मिले

सांसद सतीश गौतम खैर में विकास कार्यों के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करने आए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फर्जी अकाउंट संचालित हो रहे हैं, जिनका उद्देश्य समाज में भ्रम और तनाव पैदा करना है। सांसद ने लोगों से अपील की कि वे किसी भड़काऊ पोस्ट या अफवाह पर बिना जांच विश्वास न करें। समाज को बांटने वालों से सावधान रहें। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके वक्तव्य पर तालियां बजाईं।

बयान का वीडियो वायरल होने पर कुछ लोगों ने सांसद के बयान का समर्थन किया, जबकि कई लोगों ने इसे आपत्तिजनक बताया। कुछ लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक मंच से ऐसे बयान देने से बचना चाहिए, जिनसे किसी समुदाय के प्रति गलत संदेश जा सकता है। वहीं सांसद समर्थक सांसद का बचाव कर रहे हैं।

उनका दावा है कि सांसद का भाषण अफवाहों और फर्जी खातों के खिलाफ एक चेतावनी थी। उन्होंने लोगों से केवल सतर्क रहने की अपील की थी। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब सतीश गौतम का कोई बयान चर्चा में आया है। उनके कई बयान राजनीतिक विवाद का कारण बने हैं। हाल के महीनों में मुहर्रम, कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर दिए उनके बयानों पर भी राजनीतिक प्रतिक्रिया मिली थी।

बार-बार चक्कर आते हैं? शरीर में इस जरूरी पोषक तत्व की हो सकती है कमी

बार-बार चक्कर आना सामान्य थकान नहीं, बल्कि शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी का संकेत भी हो सकता है। इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आइए इस बारे में डिटेल में समझते हैं।

आजकल कई लोग बार-बार चक्कर आने की समस्या का सामना करते हैं। कई बार यह परेशानी अचानक खड़े होने, लंबे समय तक भूखे रहने, शरीर में पानी की कमी या अधिक थकान जैसी सामान्य वजहों से हो सकती है। हालांकि, अगर बार-बार या बिना किसी स्पष्ट कारण के चक्कर आने लगें, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह शरीर में किसी स्वास्थ्य समस्या या जरूरी पोषक तत्व की कमी का भी संकेत हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बार-बार चक्कर आने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे लो ब्लड प्रेशर, एनीमिया, डिहाइड्रेशन, कुछ दवाओं का असर, कान से जुड़ी समस्याएं या शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी। इसलिए केवल घरेलू उपायों पर निर्भर रहने के बजाय, लगातार चक्कर आने की स्थिति में कारण का पता लगाना जरूरी होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि बार-बार चक्कर आना किस पोषक तत्व की कमी का संकेत हो सकता है, शरीर में इस पोषक तत्व की कमी क्यों होती है और इसे कैसे पूरा किया जा सकता है।

NIH के ऑफिस ऑफ डायटरी सप्लीमेंट्स (ODS) के अनुसार, बार-बार चक्कर आना कुछ मामलों में आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। शरीर में आयरन की कमी होने पर पर्याप्त मात्रा में हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता, जिससे शरीर के अलग-अलग अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचने में कमी आ सकती है। इसके कारण चक्कर आना, कमजोरी, थकान, सांस फूलना और त्वचा का पीला पड़ना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। आयरन की कमी संतुलित डाइट न लेने, लंबे समय तक खून की कमी होने, शरीर में आयरन का सही तरीके से एब्जॉर्पशन न होने या प्रेग्नेंसी जैसी स्थितियों के कारण हो सकती है।

महिलाओं, प्रग्नेंट महिलाओं, छोटे बच्चों, टीनएज लड़कियों और बार-बार ब्लड डोनेट करने वाले लोगों में आयरन की कमी का खतरा अधिक हो सकता है। हालांकि, सिर्फ चक्कर आने का मतलब यह नहीं है कि शरीर में आयरन की ही कमी है। लगातार चक्कर आने पर डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता चल सके और उसी के अनुसार इलाज किया जा सके।

आयरन की कमी पूरी करने के लिए डाइट में क्या-क्या शामिल करें?

आयरन की कमी पूरी करने के लिए डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, मेथी, दालें, राजमा, चना, सोयाबीन, गुड़, तिल, कद्दू के बीज, किशमिश और फोर्टिफाइड अनाज शामिल किए जा सकते हैं। जो लोग नॉन-वेज खाते हैं, वे अंडे, मछली और कम फैट वाले मांस को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

आयरन युक्त भोजन के साथ विटामिन सी से भरपूर चीजें जैसे संतरा, आंवला, अमरूद या नींबू का सेवन करने से आयरन के एब्जॉर्पशन में मदद मिल सकती है। इसलिए संतुलित डाइट लेना सबसे बेहतर माना जाता है।

आयरन सप्लीमेंट लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

आयरन सप्लीमेंट हमेशा डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लें। निर्धारित मात्रा से अधिक आयरन लेना नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों में आयरन सप्लीमेंट से कब्ज, मतली या पेट में असहजता जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर ऐसी परेशानी हो, तो डॉक्टर से सलाह लें।

आयरन की गोलियां चाय, कॉफी या कैल्शियम सप्लीमेंट के साथ एक ही समय पर लेने से बचें, क्योंकि इससे आयरन का एब्जॉर्पशन प्रभावित हो सकता है। नियमित जांच कराते रहें और डॉक्टर के बताए अनुसार ही सप्लीमेंट का सेवन करें।

संगीत से बढ़ सकती है आपकी उत्पादकता

संगीत हमारे जीवन का अहम हिस्सा है, जो केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है। यह न केवल हमें आनंदित करता है, बल्कि हमारी उत्पादकता को भी बढ़ा सकता है। सही प्रकार का संगीत सुनने से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। आज हम जानेंगे कि कैसे संगीत हमारी उत्पादकता को बढ़ा सकता है और किन तरीकों से इसे अपने जीवन में शामिल किया जा सकता है।

काम करते समय सही धुन चुनें

काम करते समय सही धुन चुनना बहुत जरूरी है। धीमी और शांत धुन, जैसे शास्त्रीय या हल्के संगीत आपके दिमाग को शांत करते हैं और आपको अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं।

तेज और ऊर्जा से भरपूर धुन आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे आप अधिक उत्साहित महसूस करते हैं। इस प्रकार की धुन आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

ध्यान लगाएं

ध्यान लगाने के लिए भी संगीत का उपयोग किया जा सकता है। कुछ विशेष प्रकार की धुनें, जैसे ध्यान संगीत या तरंग थेरेपी आपके मन को शांत करती हैं और ध्यान लगाने में मदद करती हैं।

इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अधिक फोकस होकर काम कर पाते हैं।

इस प्रकार की धुन सुनने से आपके दिमाग की क्षमता बढ़ती है और आप अपने कार्यों में अधिक समर्पण और ध्यान लगा पाते हैं।

तनाव कम करें

संगीत सुनने से तनाव कम करने में भी मदद मिलती है। जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों तो कुछ मिनट के लिए आरामदायक धुन सुनना आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और आपको शांत महसूस करवा सकता है।

इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से कर पाते हैं। यह तरीका न केवल आपको मानसिक शांति देता है, बल्कि आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

रचनात्मकता बढ़ाएं

रचनात्मक कार्यों के लिए भी संगीत बहुत अहम होता है।

अगर आप कोई रचनात्मक कार्य कर रहे हों, जैसे कि लेखन, चित्रकारी या संगीत रचना आदि तो बैकग्राउंड में संगीत सुनने से आपकी रचनात्मकता बढ़ती है और नए विचार आते रहते हैं।

इससे आपका काम ज्यादा आसानी से हो जाता है। सही प्रकार की धुन आपके मनोबल को बढ़ाती है और आपको प्रेरित करती है, जिससे आप अपने कार्य में पूरी तरह से डूब जाते हैं।

दिनभर कॉफी पीने की आदत आपकी रात की नींद को कर सकती है प्रभावित

सुबह के समय कई लोग एक कप कॉफी पी कर दिन शुरू करते हैं। यह न केवल आपको ऊर्जा देती है, बल्कि दिनभर ताजगी भी महसूस कराती है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि आपकी कॉफी पीने की आदत रात की नींद पर असर डाल सकती है? जी हां, अगर आप बहुत जल्दी या ज्यादा कॉफी पीते हैं तो इससे आपकी नींद प्रभावित हो सकती है। आइए जानते हैं कि कॉफी का सेवन कैसे आपकी नींद को प्रभावित करता है।

कैफीन का समय

कैफीन का समय बहुत अहम होता है। अगर आप शाम या सुबह को कैफीन का सेवन करते हैं तो यह आपकी नींद को प्रभावित कर सकता है।

कैफीन शरीर में काफी देर तक रहती है और इसे पूरी तरह से निकलने में समय लगता है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप शाम 4 बजे के बाद कैफीन युक्त चीजों का सेवन न करें।

इससे आपकी नींद पर कोई असर नहीं पड़ेगा और आप आराम से सो सकेंगे।

मात्रा पर ध्यान दें

कॉफी की मात्रा भी बहुत जरूरी होती है। ज्यादा कॉफी पीने से न केवल आपकी नींद खराब हो सकती है, बल्कि इससे सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

दिनभर में 2-3 कप कॉफी पीना ही पर्याप्त होता है। इससे आपको ऊर्जा मिलेगी और नींद पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा।

ज्यादा कॉफी पीने से सिरदर्द, बेचैनी और नींद न आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, इसलिए इसकी मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है।

खाली पेट कॉफी न पिएं

खाली पेट कॉफी पीना भी गलत है, क्योंकि इससे पेट पर दबाव पड़ता है और पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इसके अलावा खाली पेट कॉफी पीने से एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे नींद में खलल पड़ सकता है।

बेहतर होगा कि आप सुबह उठते ही सबसे पहले थोड़ा पानी पिएं, फिर नाश्ता करें और उसके बाद ही कॉफी का सेवन करें।

इससे आपका पाचन तंत्र सही रहेगा और आपको अच्छी नींद मिलेगी।

सोने से पहले कॉफी न पिएं

सोने से पहले कॉफी पीना भी गलत आदत है, क्योंकि इससे आपकी नींद खराब हो सकती है। कैफीन शरीर में काफी देर तक रहती है और इसे पूरी तरह से निकलने में समय लगता है।

इसलिए, सोने से पहले कॉफी पीने से बचें, ताकि आपकी नींद पूरी हो सके। इस तरह आप इन सरल तरीकों का पालन करके अपनी सुबह की कॉफी आदत को सुधार सकते हैं और रात की अच्छी नींद पा सकते हैं।

इथेनॉल ब्लेंडिंग की वैश्विक दौड़, भारत ही नहीं कई देश बढ़ा रहे ई20 और ई100 का इस्तेमाल

पिछले कुछ समय से देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20 यानी 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) को लेकर काफी चर्चा हो रही है। देश भर में लोगों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं और सरकार के इस फैसले का विरोध किए हैं। लेकिन वैश्विक तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां करती है। दरअसल, भारत इस दिशा में अकेला नहीं है। दुनिया के कई बड़े और विकसित देश पहले से ही पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग को अपनाकर स्वच्छ ईंधन, ऊर्जा सुरक्षा और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ देश तो ई30, ई85 और यहां तक कि ई100 जैसे उच्च स्तर के एथेनॉल मिश्रण पर भी काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत का ई20 अभियान वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का ही एक हिस्सा माना जा रहा है।

'ग्लोबल बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसीज मैपÓ ग्राफिक्स में दर्शाए गए विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया भर में पेट्रोल पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों ने अपने यहां एथेनॉल मिश्रण के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किए हैं, जबकि कुछ देश आने वाले वर्षों में ब्लेंडिंग प्रतिशत को और बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यह वैश्विक रुझान बताता है कि स्वच्छ ईंधन की दिशा में दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत फिलहाल ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) तक पहुंच चुका है और 2030 तक ई30 लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत स्वच्छ ईंधन अपनाने वाले प्रमुख देशों में शामिल हो चुका है और आने वाले वर्षों में एथेनॉल आधारित ईंधन के उपयोग को और बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग के मामले में ब्राजील सबसे अग्रणी देशों में दिखाई देता है। ग्राफिक्स के अनुसार, वहां ई30 के साथ-साथ ई100 (100 प्रतिशत एथेनॉल) का भी उपयोग किया जाता है। इसके अलावा पैराग्वे भी ई30 नीति अपना चुका है, जबकि बोलीविया ने ई25 का लक्ष्य तय किया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) में ई10 और ई15 का उपयोग किया जा रहा है। वहीं यूरोपीय संघ के 19 सदस्य देशों में ई10 उपलब्ध है। ब्रिटेन ने ई10 लागू किया है, जबकि फिनलैंड ने 2027 तक ई22.5 का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह दिखाता है कि यूरोपीय देश भी पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लगातार बढ़ा रहे हैं।

कनाडा में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग स्तर की ब्लेंडिंग नीति लागू है। संघीय स्तर पर ई5 लागू है, जबकि ओंटेरियो ई11, क्यूबेक ई12, ब्रिटिश कोलंबिया ई5, अल्बर्टा ई5, सस्केचेवान ई7.5 और मैनिटोबा ई10 का उपयोग कर रहे हैं।

लैटिन अमेरिका में भी कई देशों ने एथेनॉल मिश्रण को अपनाया है। अर्जेंटीना ई12, उरुग्वे ई10, कोलंबिया ई10, इक्वाडोर ई10 (इकोपैस गैसोलीन) और पेरू ई7.8 पर काम कर रहे हैं। कोस्टा रिका और पनामा ने 2027 तक ई10 लागू करने का लक्ष्य रखा है, जबकि ग्वाटेमाला 2026 तक ई10 लागू करेगा।

वहीं, एशिया में भारत के अलावा नेपाल ई10, थाईलैंड ई10 अनिवार्य और वैकल्पिक रूप से ई20 व ई85, वियतनाम ई10 आरओएन95 और ई5 आरओएन92, तथा फिलीपींस ई10 अनिवार्य और ई20 पर विचार कर रहा है। इंडोनेशिया में आयातित पेट्रोल में ई3 की अनुमति है।

ट्रेनों से तौलिया-कंबल चुराने वालों की अब खैर नहीं, रेलवे ला रहा है तगड़ा सिस्टम, रेल मंत्री ने किए 8 बड़े ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी ट्रेन के एसी कोच में सफर करते हैं और वहां से तौलिया या चादर अपने साथ ले जाने की सोच रहे हैं, तो अब आपको सावधान होने की जरूरत है। भारतीय रेलवे ट्रेनों से चोरी होने वाले बेडरोल के खिलाफ अब बहुत सख्त कदम उठाने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को साफ कर दिया है कि ट्रेनों से तौलिया, बेडशीट और कंबल की चोरी रोकने के लिए अगले दो महीने के भीतर एक बड़ा और सख्त सिस्टम लागू किया जाएगा। हाल ही में एक आरटीआई से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ था कि जनवरी 2022 से मई 2026 के बीच ट्रेनों से 1.27 करोड़ बेडरोल चोरी हो चुके हैं। इस भारी नुकसान को देखते हुए रेलवे अब आर-पार के मूड में है और जल्द ही इस पर लगाम कसने वाली है।

वैगन डिजाइन और माल ढुलाई के नियमों में ऐतिहासिक बदलाव

चोरी रोकने के उपायों के अलावा रेल मंत्री ने रेलवे को और अधिक आधुनिक, सुगम व पारदर्शी बनाने के लिए 8 नए बड़े सुधारों का भी ऐलान किया है। अब माल ढुलाई और वैगन डिजाइन को लेकर प्राइवेट कंपनियों को बड़ी सहूलियत दी गई है। नए नियमों के तहत अब कोई भी उद्योग या कंपनी अपनी जरूरत के हिसाब से खुद वैगन का डिजाइन तैयार कर सकेगी, जिसे बस सुरक्षा मानकों पर परखने के बाद आरडीएसओ (क्रष्ठस्ह) से अंतिम मंजूरी लेनी होगी। इसके साथ ही, तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई के लिए भी अब कंपनियां अपनी जरूरत के हिसाब से विशेष टैंक वैगन डिजाइन कराकर उन्हें सीधे खरीद सकेंगी या लीजिंग एजेंसियों से लीज पर ले सकेंगी।

कंटेनरों में जाएगा अनाज और राख, प्रदूषण व बर्बादी पर लगेगी रोक

पर्यावरण संरक्षण और अनाज की सुरक्षा को लेकर भी रेलवे ने बेहद अहम कदम उठाए हैं। निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाली लाखों टन फ्लाई ऐश (राख) को अब उड़ने और प्रदूषण फैलाने से रोकने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए बंद वैगनों में ले जाया जाएगा। वहीं, पारंपरिक ढुलाई के दौरान बर्बाद होने वाले चार से पांच प्रतिशत अनाज और दालों को बचाने के लिए अब इनका परिवहन भी सुरक्षित कंटेनरों में करने की हरी झंडी दे दी गई है। उर्वरकों की ढुलाई व्यवस्था को आसान बनाते हुए मालभाड़ा सीधे 'प्रति टन प्रति किलोमीटर' के आधार पर तय करने का फैसला लिया गया है और कंटेनर संचालन के लिए अगले बीस सालों के लिए एक 'यूनिफाइड (एकीकृत) लाइसेंस' व्यवस्था लागू की जा रही है।

डिजिटल होगा जमीन अधिग्रहण, श्रमिकों के लिए सर्टिफिकेशन अनिवार्य

रेलवे की परियोजनाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए अब साइट पर काम करने वाले सभी श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए 'रेलवे स्किल सर्टिफिकेशन फ्रेमवर्क' अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि केवल प्रशिक्षित और कुशल लोग ही काम करें। निर्माण कार्यों और ठेकेदारी नियमों में भारी बदलाव करते हुए रेलवे ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल बनाने के लिए 'रेल भूमि वेब पोर्टल' की शुरुआत की है। इससे न केवल कागजी झंझट खत्म होगा, बल्कि ठेकेदारों के बिल और मुआवजा वितरण की रियल-टाइम निगरानी भी हो सकेगी। रेल मंत्री ने साफ किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में लागू किए जा रहे इन सभी सुधारों का मुख्य फोकस रेलवे की सुरक्षा, दक्षता और पारदर्शिता को एक नए स्तर पर ले जाना है।

पेट्रोल निर्यात शुल्क में कटौती, डीजल और विमान ईंधन पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार डीजल और विमान ईंधन (विमानन टरबाइन ईंधन) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जबकि पेट्रोल के निर्यात शुल्क में आंशिक कमी की गई है। संशोधित दरें गुरुवार, 16 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं।

नई व्यवस्था के तहत डीजल के निर्यात पर लगने वाला विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इस प्रकार डीजल पर सात रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है।

इसी प्रकार विमानन टरबाइन ईंधन के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

वहीं, पेट्रोल निर्यातकों को राहत देते हुए पेट्रोल पर लगने वाला विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क चार रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

सरकार का यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय बाजार में बदलते परिशोधन लाभांश (रिफाइनिंग मार्जिन) और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है और तेल परिशोधन कंपनियों के लाभ में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

केंद्र सरकार कच्चे तेल की कीमतों और परिशोधन लाभांश की नियमित अंतराल पर समीक्षा करती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे तथा निर्यात के माध्यम से होने वाले अतिरिक्त लाभ पर उपयुक्त कर वसूला जा सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय का सबसे अधिक प्रभाव उन निजी तेल परिशोधन कंपनियों पर पड़ेगा, जो बड़ी मात्रा में डीजल और विमान ईंधन का निर्यात यूरोप तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में करती हैं।

हालांकि, आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि इन संशोधित निर्यात शुल्कों का देश के भीतर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा। घरेलू बाजार में लागू उत्पाद शुल्क और खुदरा मूल्य व्यवस्था में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

'चीन ने चुराया 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों का डेटा'...ट्रंप बोले- चुनावों को प्रभावित करने की हुई कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार यानी 16 जुलाई को अमेरिकी चुनावों से जुड़ी खुफिया जानकारी को जल्द से जल्द करने का ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया कि इससे देश की वोटिंग सिस्टम में चौंकाने वाली कमियां हैं। मध्यावधि चुनावों से ठीक चार महीने पहले व्हाइट हाउस से देश को संबोधित करते हुए ट्रंप ने चीन पर 2020 के चुनाव के दौरान अमेरिकी चुनावी डेटा के साथ सबसे बड़ी छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया।

ट्रंप ने कहा कि इस खुफिया जानकारी की सच्चाई की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि चीन से जुड़े लोगों ने 22 करोड़ (220 मिलियन) अमेरिकी डेटा फाइलों के साथ छेड़छाड़ की थी। व्हाइट हाउस से टीवी पर प्राइम-टाइम संबोधन में ट्रंप ने कहा साल 2020 के चुनावी साल के दौरान पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने इतिहास में चुनावी डेटा के साथ सबसे बड़ी छेड़छाड़ की थी।चीन ने 22 करोड़ अमेरिकी वोटर फाइलों को गैर-कानूनी तरीके से हासिल कर लिया था। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अमेरिका के 18 राज्यों से चुनाव से जुड़ा डेटा खरीदा या चुराया गया था। व्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि हाल ही में सार्वजनिक की गई खुफिया जानकारी अमेरिकी चुनावों की जांच और वोटिंग सिस्टम में कमियों से जुड़ी है। हालांकि, ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान अपने दावों के समर्थन में फिलहाल के लिए कोई सबूत नहीं दिया। ट्रंप लंबे समय से दावा करते आ रहे हैं कि 2020 में डेमोक्रेट जो बाइडेन से उनकी हार धांधली का नतीजा थी। उन्होंने बिना किसी सबूत के यह भी दावा किया है कि मेल-इन वोटिंग में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी होती है, वोटिंग मशीनों में हेरफेर की जा सकती है और गैर-नागरिक भी बड़े पैमाने पर वोट डालते हैं।

अमेरिका की मार का बदला कुवैत-बहरीन में ले रहा ईरान, ताबड़तोड़ हमले से बढ़ाई मिडिल ईस्ट में टेंशन

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी में एक बार फिर बेहद तनावपूर्ण हालात बनते जा रहे हैं। अमेरिका ने कल गुरुवार को हमले तेज करते हुए ईरान के उत्तरी क्षेत्र के ज्यादातर हिस्से को निशाना बनाया। साथ ही पुलों पर भी हमला बोला। अब ईरान की ओर से पलटवार किया जा रहा है और उसने पश्चिम एशिया में अमेरिका के कई सहयोगी देशों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ हवाई हमले किए।

तेहरान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में आज शुक्रवार तड़के बहरीन, कतर और कुवैत पर हमले किए गए। इन दोनों देशों में अमेरिकी सेनाएं मौजूद हैं और हाल के दिनों में उन पर कई बार हमले हो चुके हैं। खाड़ी में जारी जंग को खत्म करने को लेकर ईरान और अमेरिका में शांति समझौता हो गया था। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में दोनों ओर से जारी गतिविधियों की वजह से जंग फिर से शुरू हो गई।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी IRNA ने आज शुक्रवार को बताया कि दक्षिणी होर्मुजगन प्रांत में पुलों को निशाना बनाकर किए गए अमेरिका हवाई हमलों में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका ने फिर से ईरान के खिलाफ हमले तेज कर दिए।

अमेरिका ने उत्तर में और दूर के ठिकानों पर हवाई हमले किए और एक ऐसे जहाज पर भी हमला किया जिस पर वाशिंगटन की ओर से ईरान पर अपनी नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों के ऊपर मिसाइलें और ड्रोन दागे। हिंसा के इस ताजा दौर में पहली बार अमेरिकी हमले का दायरा ईरान की राजधानी तेहरान के आस-पास के इलाकों तक भी पहुंचा, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी हमले अब और अधिक ठिकानों पर किए जा रहे हैं। अमेरिका ने गुरुवार देर रात हमलों का दूसरा दौर शुरू किया और कहा कि इसका मकसद ईरान की सैन्य क्षमताओं को "और कमजोर करना" है। इससे पहले जब अमेरिका और इजराइल ने मिलकर 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अचानक युद्ध शुरू किया, तो तेहरान ने जवाब में जहाजों की आवाजाही के लिए होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से बंद कर दिया। लेकिन इस वजह से तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं और गैस को लेकर वैश्विक स्तर पर संकट बढ़ गया।

दायरा बढ़ा तो ईरान तेज करेगा हमला

ईरानी सेना के खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता कर्नल इब्राहिम ज़ोलफ़ग़ारी ने धमकी दी कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बार-बार दी गई चेतावनियों पर अमल करते है- जिसमें कहा गया है कि अमेरिका ईरानी पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमला कर सकता है, तो ईरान "क्षेत्र के सभी बुनियादी ढांचों" पर बड़े पैमाने पर हमले कर सकता है। उन्होंने कहा, "हम किसी भी हालत में और किसी भी तरह से अमेरिका को, जो एक विदेशी और क्षेत्र से बाहर का देश है, होर्मुज में दखल नहीं देने देंगे। यह ईरान की अभेद्य 'रेड लाइन' है।" अमेरिका और ईरान दोनों ने हमले किए हैं क्योंकि नाकेबंदी फिर से लागू कर दी गई है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कल कहा था कि गुरुवार को अमेरिका ने तेहरान और सेमनन प्रांत के आसपास हमले किए। सेमनन प्रांत में ही ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की जगह और स्पेस प्रोग्राम का केंद्र है। सरकारी मीडिया ने यह भी बताया कि हमदान, होर्मोजगन, खुजेस्तान, लोरेस्तान, मरकाजी और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों के साथ-साथ होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के केशम द्वीप पर भी हमले हुए। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, बंदर अब्बास बंदरगाह शहर के अल्लाह-अकबर हिल रिहायशी इलाके में अमेरिकी हमले में 7 लोग घायल हो गए। बंदर अब्बास रेलवे जंक्शन स्टेशन पर अमेरिकी हमले में 2 और लोग घायल हुए। बंदर अब्बास के ठीक पश्चिम में, स्थानीय लोगों ने बताया कि अमेरिकी हमले में 2 पुलों पर भी निशाना साधा गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 9 अन्य घायल हो गए।

मोबाइल नेटवर्क की इस कमजोरी से ईरान ने खोज निकाली अमेरिकी सैनिकों की लोकेशन

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने कथित तौर पर मोबाइल नेटवर्क की एक पुरानी तकनीकी कमजोरी का फायदा उठाकर मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सैनिकों और ठेकेदारों की लोकेशन ट्रैक की। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए एसएस7 नेटवर्क प्रोटोकॉल और मोबाइल एड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया। दावा है कि इस तरीके से इराक, बहरीन और अन्य देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और होटलों में मौजूद लोगों की लोकेशन पता की गई। यह गतिविधियां अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने से पहले और शुरुआती दिनों में देखी गईं। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि डेटा ट्रैकिंग ने हमलों में कोई अहम भूमिका नहीं निभाई। इस बीच साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स ने इसे ईरान की बढ़ती साइबर जासूसी क्षमता का संकेत बताया।

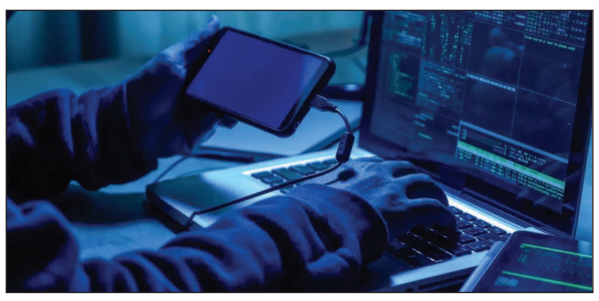

फाइनेंशियल टाइम्स ने मोबाइल सर्विलांस मॉनिटर और इस अभियान की जानकारी रखने वाले सरकारी अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि ईरान ने एसएस7 यानी सिग्नलिंग सिस्टम 7 की कमजोरियों का फायदा उठाया। एसएस7 वही प्रोटोकॉल है जो वर्षों से 2जी और 3जी मोबाइल नेटवर्क के बीच कॉल और मैसेज रूट करने का काम करता है। रिपोर्ट के अनुसार, इसी तकनीक के जरिए विशेष मोबाइल नंबरों पर एसएस7 पिंग भेजकर यह पता लगाने की कोशिश की गई कि फोन कहां मौजूद है और किस नेटवर्क पर रोमिंग कर रहा है। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट गैरी मिलर ने इसे एक समन्वित ट्रैकिंग अभियान बताया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने केवल एसएस7 ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन में इस्तेमाल होने वाली एडवर्टाइजिंग टेक्नोलॉजी का भी सहारा लिया। मोबाइल कंपनियों की रोमिंग व्यवस्था और एडवर्टाइजिंग आईडी के जरिये अमेरिकी सैनिकों और ठेकेदारों की लोकेशन का पता लगाने की कोशिश की गई। मोबाइल सर्विलांस मॉनिटर के अनुसार, बहरीन सहित कई मध्य पूर्वी देशों के नेटवर्क पर बड़ी संख्या में एसएस7 पिंग दर्ज किए गए। दावा है कि इसी दौरान इराक, बहरीन और अन्य स्थानों पर अमेरिकी ठिकानों और होटलों पर हमले हुए, जिनमें कुछ सैनिक और ठेकेदार घायल भी हुए।

अमेरिका में बढ़ी चिंता, कानून बनाने की तैयारी

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटर फोर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की साइबर सुरक्षा शोधकर्ता निकिता शाह ने कहा कि यह घटना ईरान की साइबर क्षमता के और ज्यादा विकसित होने का संकेत देती है। अमेरिकी सांसद रॉन वाइडेन ने कहा कि वह पहले भी विदेशी देशों द्वारा अमेरिकी कर्मियों के मोबाइल ट्रैक किए जाने के खतरे को लेकर चेतावनी देते रहे हैं। रिपब्लिकन सांसद पैट हैरिगन ने सरकारी कर्मचारियों के डिजिटल लोकेशन डेटा की बिक्री रोकने के लिए कानून लाने की बात कही है। वहीं यूएस सेंट्रल कमांड ने कांग्रेस को बताया कि उसे ऐसे खतरों की जानकारी मिली थी और सैनिकों की सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाए गए। हालांकि एक अमेरिकी अधिकारी ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा कि यह दावा सही नहीं है कि डेटा ट्रैकिंग ने हमलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गैंगस्टर नीतीश कौशल अमेरिका में गिरफ्तार, एफबीआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में था शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय गैंगस्टर नीतीश कौशल को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है।हाल ही में उसे अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने अपने वान्टेड लिस्ट में डाला था।कौशल पर एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन का हिस्सा होने, अपहरण और मारपीट की घटनाओं के साथ-साथ अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप है। गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए FBI ने बताया कि नीतिश कौशल को वरमोंट में गिरफ्तार किया गया है।

एफबीआई के मुताबिक नीतीश कौशल को 'लाला' के नाम से भी जाना जाता है। वह तकरीबन 26 साल का है और जग्गू भगवानपुरिया ग्रुप का अहम सदस्य बताया जाता है। इस गिरोह ने पंजाब से होते हुए अमेरिका में भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया। एफबीआई का कहना है कि यह गिरोह हत्या, अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, रंगदारी, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। एजेंसी के मुताबिक, नितिश कौशल पर भी इस गिरोह की ओर से हिंसक वारदातों, खासकर अपहरण और हमलों को अंजाम देने के आरोप हैं। 25 जून 2026 को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की संघीय अदालत ने नितिश कौशल के खिलाफ रैकेटियर इन्फ्लुएंस्ड एंड करप्ट ऑर्गेनाइजेशंस (RICO) साजिश के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। एफबीआई ने पहले उसे हथियारबंद, बेहद खतरनाक और फरार होने की आशंका वाला आरोपी बताया था। एफबीआई ने नीतीश कौशल पर ये कार्रवाई ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत की है। यह अमेरिकी FBI, DEA, HSI और अन्य एजेंसियों का संयुक्त अभियान है। ये एजेंसियां अमेरिका में भारत और कनाडा से संचालित उन संगठित अपराध नेटवर्कों पर कार्रवाई कर रही हैं, जिनपर अमेरिका में ड्रग्स तस्करी और हिंसक अपराधों से जुड़े होने के आरोप लगे हैं। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान जांच एजेंसियों ने तकरीबन 1,000 किलो कोकीन, 1 किलो हेरोइन, 40 हजार डॉलर नकद और 12 हथियार की जब्ती की है।कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो इलाके में 23 और लॉस एंजिलिस इलाके में 11 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला है। FBI ने इन ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया और रविंदर सिंह ढांडा, गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा समेत 37 अपराधियों को अपने चार्जशीट में शामिल किया है।

एआई तकनीक सीखने वालों के लिए सर्वाधिक अवसर बनेंगे: प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह

मीडिया न्यूजरूम को बदलें में एआई की भूमिका अहम: कुलगुरू, एमसीयू में एआई एफडीपी का समापन

भोपाल। ज्ञान की महत्ता सर्वोपरि होती है। मानवीय चेतना और बुद्धि का विकल्प एआई नहीं हो सकती है। तकनीकें बदलती रहती हैं लेकिन केवल ज्ञान ही है जो स्थाई रहता हैं। आज इसी ज्ञान के आधार पर मशीने एआई जैसी तकनीक से संचालित हो रही हैं। एआई जैसी तकनीकों के बारे में आमजन को शिक्षित करने में मीडिया की अहम भूमिका है। यह बात एमसीयू में संचालित एआई एफडीपी के समापन सत्र पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और आईआईआईटी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह ने कही। श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि एआई तकनीक सीखने वालों के लिए सर्वाधिक अवसर बनेंगे। उन्होंने कहा कि एआई

और रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि एआई से अनेकों रोजगार सृजित होंगे। इससे किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है बल्कि इसे सीखकर नए अवसर बनाए जा सकते हैं।

एमसीयू के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि मीडिया के न्यूजरूम में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। आज जो टूल और टेक्नोलाजी वहां उपयोग हो रही है वह एक सप्ताह या उससे भी कम वक्त में बदल जी रही है। इसका मूल कारक एआई है। इसी विचार से पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सिलेबस में एआई का समावेश किया गया है ताकि विद्यार्थी इसे सीखें। यह फैकल्डी डेवलपमेंट प्रोग्राम इस दिशा में एक शुरूआती कदम है जिसमें हमारे प्राध्यापकों ने दस दिन प्रशिक्षण लिया है। इसका लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। श्री तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यायल प्रतिदिन एआई के क्षेत्र में हो रहे बदलावों के साथ अपने सिलेबस और शिक्षण-प्रशिक्षण को भी अपडेट करता रहेगा।

इस अवसर पर तकनीक और भाषा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ श्री बालेंदु शर्मा दाधीच ने काह कि भारत एआई की महाशक्ति बन सकता है। सरकार एआई को बढ़ावा दे रही है। हमें एआई के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि आज भारत में दुनिया की शीर्ष टेक कंपनियां निवेश कर रही हैं। हमारा डेमोक्रेटिक डिविडेंट बहुत अधिक है और हमारे यहां सबको साथ लेकर चलने की संस्कृति के चलते भारत की छवि विश्वसनीय है। उन्होंने कहा किएआई किसी जैविक शक्ति से नहीं बल्कि एल्गारिद्म की शक्ति से संचालित होती है। श्री दाधीच ने अमेरिका, चीन और भारत में चल रहे एआई के क्षेत्र के विकास को विस्तार से रखा।एक तकनीकी सत्र में उन्होंने भारत में एआई स्टार्टअप्स और इकोसिस्टम पर भी विस्तार से अपनी बात रखते हुए कहा कि दुनिया का 20 प्रतिशत डाटा भारत में पैदा होता है और यहां टैलेंट पूल बहुत बड़ा है। देश में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम हो रहा है इसलिए यहां एआई के विकास की भी पर्याप्त संभावनाएं हैं।

इस अवसर पर एक तकनीकी सत्र में वरिष्ठ पत्रकार और एआई ट्रेनर देविका छिब्बर ने गूगल एंटीग्रेविटी और आर्बिटर टूल्स पर प्रोफेशनल वेबसाइट्स डिजाइन करना और डीपफेक को पहचानने पर प्रैक्टिकल करवाए। उन्होंने कहा कि अब मीडिया में न्यूजरूम इकोसिस्टम के भीतर एआई के साथ बहुत व्यापक स्तर पर काम हो रहा है। इसलिए मीडिया प्रोफेशन में आने वाले विद्यार्थियों को एआई और एजेंटिक एआई का प्रशिक्षण जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने फैक्टचेकिंग प्लेटफार्म,एआई पालिसी और गवर्नेंस पर भी विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. प्रदीप डहेरिया की लिखी पुस्तक जनमाध्यम युवा और मीडिया साक्षरता, का विमोचन अतिथियों ने किया। इस दस दिनों के इस एफडीपी के विविध सत्रों की विस्तृत रिपोंट प्रोफेसर सीपी अग्रवाल ने प्रस्तुत की। सत्र का संचालन इस एफडीपी के समन्वयक और विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष डा. पवित्र श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और विशेषज्ञों का अभार कुलसचिव डा. पी शशिकला ने माना।

'जो लोग मुझे एटीट्यूड दिखाते हैं, उन्हें इसकी जरूरत है', थेरेपी पर शहनाज गिल के तीखे जवाब ने छेड़ी बहस

शहनाज गिल इन दिनों अपने एक बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं। एक फैन ने उनसे थेरेपी सेशन को लेकर सवाल पूछा था, जिस पर शहनाज ने काफी तीखा जवाब दिया।

शहनाज गिल हाल ही में थेरेपी को लेकर एक प्रशंसक के सवाल पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया की वजह से ऑनलाइन बहस का हिस्सा बन गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो ने मिली-जुली प्रतिक्रियाएं पैदा कीं, खासकर शहनाज के उस पुराने इंटरव्यू के फिर से सामने आने के बाद, जिसमें उन्होंने थेरेपी लेने के बारे में अलग-अलग विचार व्यक्त किए थे।

पिंकविला के एक टॉक शो के दौरान, एक फैन ने जब शहनाज से पूछा, 'मैडम, क्या आप थेरेपी लेती हैं?' इस सवाल पर शहनाज हैरान रह गईं और उन्होंने जवाब देते हुए बोलीं, 'थेरेपी क्यों? इसकी कोई जरूरत नहीं है। जो लोग मेरे सामने अकड़ और अहंकार दिखाते हैं, उन्हें थेरेपी की जरूरत है। उन लोगों को थेरेपी चाहिए, जिन्हें अपने अहंकार को शांत करने की जरूरत है। मुझे या मुझ जैसे लोगों को इसकी कोई जरूरत नहीं है।'

शहनाज के इस जवाब पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोगों को उनका यह अंदाज मजाकिया लगा, तो कुछ ने इस पर आपत्ति जताई। एक यूजर ने मजाक में लिखा, 'फैन ने तो बस एक सवाल पूछा था, लेकिन शहनाज ने पूरा थेरेपी विभाग ही खोल दिया।'

शहनाज के सपोर्ट में फैंस

इस बहस के बीच शहनाज के फैंस उनके समर्थन में आ गए। फैंस का कहना है कि ऐसा सवाल पूछने की कोई जरूरत ही नहीं थी। एक फैन ने लिखा, 'सामने वाला ऐसा कैसे मान सकता है कि शहनाज को थेरेपी की जरूरत है? क्या वो कोई डॉक्टर है?' दूसरे फैन ने लिखा, 'उन्हें बदनाम करने के लिए बिना पूरी बात जाने बस छोटी सी वीडियो क्लिप वायरल की जा रही है।'

पुराना इंटरव्यू आया सामने

इस पूरे विवाद के बीच शहनाज का एक पुराना इंटरव्यू भी सोशल मीडिया पर दोबारा वायरल हो रहा है, जिसमें उनके विचार बिल्कुल अलग थे। 'कर्ली टेल्स' को दिए एक पुराने इंटरव्यू में शहनाज ने खुद माना था कि उन्होंने थेरेपी ली है। उन्होंने कहा था, 'मैंने अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए काफी थेरेपी ली है।'

शहनाज ने आगे कहा, 'जिंदगी में एक वक्त ऐसा आता है, जब हर किसी को थेरेपी की जरूरत होती है। हर इंसान को थेरेपी लेनी चाहिए, क्योंकि लोग सोचते हैं कि वे बिल्कुल परफेक्ट हैं, जबकि कोई भी परफेक्ट नहीं होता। थेरेपी से हर किसी को फायदा हो सकता है।'

लाल जोड़े में मोनालिसा ने ढाया कहर, बोल्ड ब्राइडल फोटोशूट ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

भोजपुरी क्वीन और टेलीविजन स्टार मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और दिलकश ब्राइडल फोटोशूट शेयर किया है। सुर्ख लाल रंग के पारंपरिक लहंगे और डीप-नेक ब्लाउज में वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। हेवी कुंदन ज्वेलरी, नथ और मांगटीके के साथ उनके कातिलाना फेशियल एक्सप्रेशन्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है। इंटरनेट पर उनका यह बोल्ड ब्राइडल लुक तेजी से ट्रेंड कर रहा है। भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक अपनी पहचान बना चुकी मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्ड अदाओं से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। मोनालिसा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पारंपरिक दुल्हन के अवतार में अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं।

तस्वीरों में मोनालिसा का ग्लैमर और देसी अंदाज इस कदर निखर कर आ रहा है कि देखने वाले अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक शाही लाल रंग का ब्राइडल लहंगा चुना है।

मोनालिसा ने लहंगे के साथ मैचिंग डीप-नेकलाइन सिल्क ब्लाउज कैरी किया है, जिसपर गोल्डन जरी और फ्लोरल कढ़ाई का बारीक काम किया गया है। इसके साथ उन्होंने सिर पर लाल रंग का नेट दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर सुनहरी बूटी और हैवी गोटा-पट्टी बॉर्डर है।

तस्वीरों में मोनालिसा की अदाएं और उनके सेक्सी पोज फैंस के दिलों पर छुरियां चला रहे हैं। कुछ तस्वीरों में वह शर्माती हुई नीचे की ओर देख रही हैं, तो कुछ में वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी कातिल मुस्कान बिखेर रही हैं।

अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए मोनालिसा ने परफेक्ट ग्लैम ब्राइडल मेकअप चुना है। स्मोकी आजि, विंग्ड आईलाइनर और मस्कारा के साथ उनकी आंखें बेहद नशीली लग रही हैं। डार्क रेड लिपस्टिक उनके पूरे चेहरे को ग्लोइंग बना रही है।

ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल ब्राइडल लुक को पूरा करने के लिए हैवी कुंदन और गोल्ड ज्वेलरी कैरी की है। उनके माथे पर सजी खूबसूरत शीशपट्टी और मांगटीका, कानों में बड़े झुमके, गले में मैचिंग हेवी चोकर नेकलेस और लेयर्ड रानी हार उनके रॉयल लुक को निखर रहे हैं।

'हम लोकतंत्र के बुरे दौर...', क्या दीपिका पादुकोण ने सोनम वांगचुक के समर्थन में की पोस्ट?

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक लगभग तीन हफ्तों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनके सपोर्ट में कई सेलेब्स भी उतर रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से जुड़ा एक वायरल दावा चर्चा का विषय बन गया है। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम स्टोरी जैसा दिखने वाला एक स्क्रीनशॉट ऑनलाइन तेजी से शेयर किया जा रहा है। इस पोस्ट में सोनम वांगचुक के प्रति समर्थन जाहिर किया गया है और साथ ही फेल हो चुकी लीडरशिप पर निशाना भी साधा गया है। लेकिन बाद में ये स्टोरी दिखना बंद हो गई। अब सवाल ये ही है कि क्या सच में दीपिका ने यह स्टोरी पोस्ट की थी?

बीते बुधवार 15 जुलाई को सोशल मीडिया पर दीपिका पादुकोण की इंस्टाग्राम स्टोरी होने का दावा करने वाला एक स्क्रीनशॉट तेजी से फैलने लगा। इस पोस्ट में एक्ट्रेस एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक का समर्थन करती हुई दिख रही थीं।

कई सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि उन्होंने इसे शेयर करने के कुछ ही मिनटों बाद स्टोरी डिलीट कर दी। तब से यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और इसे लेकर काफी अटकलें और बहसें हो रही हैं।

वायरल स्क्रीनशॉट में एक इंस्टाग्राम स्टोरी दिख रही है जिसमें दीपिका ने सोनम वांगचुक वाली एक पोस्ट को री-शेयर किया था। इसके साथ लिखा था, 'वह उपवास कर रहे हैं। हम स्क्रॉल कर रहे हैं।' दावा किया जा रहा है कि दीपिका ने इसे एक कैप्शन के साथ रीपोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, 'इस बारे में कोई बात क्यों नहीं कर रहा है? हम लोकतंत्र के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। चाहे किसी नाकाम नेता को महान दिखाने के लिए कितनी भी फिल्में क्यों न बना ली जाएं, सच्चाई नहीं बदलती।'

सोशल मीडिया पर मची हलचल के बावजूद ऐसा कोई भरोसेमंद सबूत नहीं है, जिससे पता चले कि दीपिका ने कभी यह इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की थी। एक्ट्रेस के वेरिफाइड इंस्टाग्राम अकाउंट और सोशल मीडिया पर उनकी आर्काइव एक्टिविटीज को चेक करने पर भी उस पोस्ट का कोई निशान नहीं मिला। इससे पता चलता है कि वायरल हो रहा दावा बेबुनियाद है। माना जाता है कि इस स्क्रीनशॉट के साथ डिजिटल छेड़छाड़ की गई है। ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चले कि दीपिका ने कभी वह स्टोरी पोस्ट की थी या बाद में उसे डिलीट किया था। अभी की स्थिति के अनुसार, वायरल हो रहा यह दावा झूठा है। यह पहली बार नहीं है जब दीपिका गलत जानकारी फैलाने वाली वायरल खबरों के केंद्र में रही हैं। इस साल मार्च में एक फर्जी स्क्रीनशॉट तेजी से सोशल मीडिया पर फैला था, जिसमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' का रिव्यू कर रही हैं। हालांकि, उनके वेरिफाइड अकाउंट पर उस पोस्ट का कोई निशान नहीं मिला था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com